■ ज्येष्ठ शुक्ल - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 309 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 08-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 गठबंधन हमारे लिए मजबूरी नहीं बल्कि एक प्रतिबद्धता है : राजनाथ

6 किन नवनिर्वाचित सांसदों पर देश की रहेगी नजर?

7 देश की जनता जो बदलाव चाहती थी, उसने शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम तक पहुंचाया: वेंकैया नायडू

फर्स्ट टेक

चिकमगलुरु में 30 बंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के चिकमगलुरु जिले के कोप्पा मंडल में शुक्रवार को 30 बंदर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाये गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चार छोटे बंदरों सहित इन 30 बंदरों को कथित तौर पर कोई जहरीला पदार्थ खिलाया गया और बाद में पीट-पीटकर मार डाला गया। उन्होंने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएगा। उन्होंने कहा, हमारी प्रारंभिक जांच के अनुसार, इन बंदरों को कथित तौर पर कोई जहरीला पदार्थ खिलाया गया और जब वे बेहोश हो गए, तो उन्हें किसी चीज से पीटा गया। मार डालने के बाद उन्हें किसी वाहन में लाकर जंगल में फेंक दिया गया।

यूक्रेन में सेना तैनात करने की कोई योजना नहीं है : नाटो प्रमुख

हेलसिंकी/एजेन्सी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने गुरुवार को कहा कि नाटो की यूक्रेन में सेना तैनात करने की कोई योजना नहीं है। फिनलैंड की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में स्टोलटेनबर्ग ने कहा, हम इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि यूक्रेन को अपने समर्थन के लिए एक मजबूत ढांचा कैसे स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की यूक्रेन में सेना भेजने की कोई योजना नहीं है। फिनलैंड यूक्रेन का समर्थन करने के विकल्पों के बारे में सहयोगियों के साथ चर्चा कर रहा है।

हूती विद्रोहियों ने संरा के नौ कर्मचारियों व अन्य को बंधक बनाया

दुबई/एपी। बढ़ते वित्तीय दबाव और अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन से हवाई हमलों का सामना कर रहे हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कम से कम नौ यमनी कर्मचारियों को बंधक बना लिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सहायता समूहों के लिए काम करने वाले अन्य लोगों को भी बंधक बनाए जाने की आशंका है। ये घटना ऐसे समय हुई है जब हूती विद्रोहियों ने लगभग एक दशक पहले यमन की राजधानी पर कब्जा कर लिया था और उसके बाद से ही सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ लड़ रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध को लेकर लाल सागर गलियारे में जहाजों को निशाना बनाया है।

सूर्यास्त 08-06-2024 6:34 बजे	सूर्योदय 09-06-2024 5:41 बजे
BSE 76,693.36 (+1,618.85)	NSE 23,290.15 (+468.75)
सोना 7,466 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 96,500 रु. प्रति किलो

राष्ट्रपति ने मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया

कल शाम होगा प्रधानमंत्री पद के लिए शपथग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल के नेता नरेन्द्र मोदी रविवार शाम लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। मुर्मू ने मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया तथा नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह रविवार की शाम को होगा।

इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जे पी नड्डा ने राष्ट्रपति को भाजपा संसदीय दल के नेता के रूप में मोदी के चयन से संबंधित एक पत्र सौंपा। राजग नेताओं ने भी अपने समर्थन पत्र सौंपे।

हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने 293 सीट पर जीत दर्ज की और 543 सदस्यीय सदन में बहुमत हासिल किया। भाजपा ने 240 सीट पर जीत दर्ज की है।

राष्ट्रपति भवन की विज्ञप्ति के अनुसार, ''राष्ट्रपति ने प्राप्त विभिन्न समर्थन पत्रों के आधार पर पाया कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग गठबंधन नवगठित 18वीं लोकसभा में बहुमत प्राप्त करने तथा एक स्थिर सरकार बनाने की स्थिति में है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी को भारत का प्रधानमंत्री मनोनीत किया जाता है।''

विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति रविवार की शाम सात बजकर 15 मिनट पर राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायेंगी।

मोदी ने शुक्रवार शाम यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। मुर्मू ने मोदी को मनोनयन पत्र सौंपा।

न हारे थे, न हारे हैं, विजय को पचाना जानते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी इंडी गठबंधन द्वारा लोकसभा चुनावों में भाजपा की हार के दावे पर आज पलटवार किया और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सच्चे अर्थों में भारत की आत्मा है और अगले दस साल में राजग देश में विकास एवं सुशासन के नये अध्याय लिखेगा।

मोदी ने संविधान सदन (पुरानी संसद) के केन्द्रीय कक्ष में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित राजग के सभी घटक दलों के नवनिर्वाचित सांसदों की संयुक्त बैठक में राजग का नेता चुने जाने के बाद अपने संबोधन में कहा कि वह मानते हैं कि लोकसभा चुनाव 2024 के जो नतीजे हैं अगर हर पैरामीटर पर देखेंगे तो दुनिया ये मानती है और मानेगी कि ये राजग का महाविजय है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में दक्षिण भारत में राजग ने एक नई राजनीति की नींव मजबूत की है। कर्नाटक और तेलंगाना... जहां अभी हाल ही में उनकी (कांग्रेस) सरकारें बनी थीं। लेकिन पल भर में इनसे लोगों का विश्वास टूट गया और राजग को गले लगा लिया। उन्होंने तमिलनाडु की टीम को बधाई देते हुए कहा कि आज तमिलनाडु में काफी तेजी से राजग का वोट शेयर बढ़ा है। इसी तरह पहली बार केरल से हमारा प्रतिनिधि बन कर आया है। उन्होंने इस जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत को देते हुए कहा, पार्टी के लिए लाखों ने भीषण गर्मी के दौरान जिस तरह से दिन-रात काम किया और इसके लिए मैं उनको कोटि-कोटि नमन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा, दो दिन चला, हम तो गये, हार गये। उन्होंने कहा कि गठबंधन के इतिहास में संख्या के हिसाब से देखें तो यह सबसे मजबूत गठबंधन सरकार है। इसी जीत को स्वीकार न करने, इस जीत को 'पराजय की छाया' में डुबाए रखने की कोशिशें हुईं। लेकिन ऐसे सभी प्रयास निरर्थक रहे। ऐसी चीजों की बालमृत्यु हो जाती है, और ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा, हम न हारे थे, न हारे हैं! चार जून के बाद हमारा व्यवहार जो रहा है, हम विजय को पचाना जानते हैं।

कर्नाटक एमएलसी चुनाव में सभी 11 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/वार्ता। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में अप्रत्याशित मोड़ उस सयम आया जब मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्दरामैया और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि जैसे राजनीतिक दिग्गजों सहित सभी 11 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की। वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। मूल रूप से 13 जून को प्रस्तावित उच्च सदन की 11 प्रतिष्ठित सीटों के लिए चुनाव शहर में चर्चा का विषय बने हुए थे। हालाँकि, प्रत्याशा कम हो गई क्योंकि आज उम्मीदवारी वापस लेने का आखिरी दिन था, और कोई भी दौड़ से पीछे नहीं हट रहा था।

राजनीतिक परिदृश्य को करीब से देखने पर विधानसभा में अपनी-अपनी ताकत के आधार पर कांग्रेस सात सीटों पर दावा करने के लिए तैयार थी, उसके बाद भाजपा तीन और जनता दल (एस) एक सीट पर दावा कर रही थी।

चंद्रबाबू नायडू 12 को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को तीसरी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

नायडू गन्नावरम हवाई अड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''12 जून (बुधवार) को सुबह 11:27 बजे चंद्रबाबू नायडू गन्नावरम हवाईअड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।'' नायडू पहली बार लगभग 30 साल पहले 1995 में मुख्यमंत्री बने थे और 2004 तक इस पद पर रहे । साल 2004 में वह चुनाव हार ये थे और उनकी जगह वाई एस राजशेखर रेड्डी मुख्यमंत्री बने ।

उच्चतम न्यायालय की निगरानी में नीट परीक्षा में 'धांधली' की जांच हो : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने स्नातक स्तर पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' में धांधली का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि इसकी उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए, ताकि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिल सके। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) का परिणाम गत चार जून को घोषित किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गया है। इसकी सीधी ज़िम्मेदारी मोदी सरकार की है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर विभिन्न अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फंसना- उनके भविष्य से खिलवाड़ है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है। उन्होंने कहा, ''हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एक उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए, जिससे नीट व अन्य परीक्षाओं में भाग लेने वाले हमारे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिले।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके परिणाम में भी भ्रष्टाचार हुआ है। एक ही सेंटर के छह छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर, परिणाम आने के बाद देश भर में कई बच्चों के आत्महत्या करने की खबरें हैं। यह बहुत दुखद और झकझोरने वाला है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है?

प्रियंका गांधी ने कहा, छात्र-छात्राओं को नीट परीक्षा के परिणाम में धांधली से जुड़े वाजिब सवालों के जवाब चाहिए। क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह जांच कराकर इन वाजिब शिकायतों का निस्तारण करे?

आरबीआई ने आठवीं बार रेपो दर को 6.5% पर कायम रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा में उम्मीद के मुताबिक नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा। मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच महंगाई को काबू में रखने के प्रयास के तहत आरबीआई ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, ''मौद्रिक नीति समिति ने लगातार आठवीं बार नीतिगत दर को यथावत रखने का निर्णय किया।

ब्रिटेन में रखे 100 टन सोने को वापस लाने का कोई और मतलब नहीं निकाला जाए : दास

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ब्रिटेन से 100 टन स्वर्ण भंडार भारत लाया है, क्योंकि देश में पर्याप्त भंडारण क्षमता है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रिटेन में संग्रहीत अपने 100 टन सोने को घरेलू तिजोरियों में स्थानांतरित कर दिया है।

यह 1991 के बाद सोने का सबसे बड़ा स्थानांतरण है। वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था।

दास ने यहां कहा कि विदेशों में रखे गए सोने की मात्रा लंबे समय से स्थिर थी। उन्होंने कहा, '' हाल के वर्षों में आंकड़े बताते हैं कि रिजर्व बैंक अपने भंडार के हिस्से के रूप में सोना खरीद रहा है और इसकी मात्रा बढ़ रही है। हमारे पास घरेलू (भंडारण) क्षमता है।''

गवर्नर ने कहा कि इसलिए यह निर्णय लिया गया कि भारत के बाहर रखे सोने को लाकर देश में उसको रखा जाए। उन्होंने कहा, '' बस इतना ही। इसके और कोई मायने नहीं निकाले जाने चाहिए।''

फास्टैग, एनसीएमसी में खुद से जमा हो सकेंगे पैसे

ग्राहक जल्दी ही फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी), यूपीआई लाइट में राशि तय सीमा से नीचे जाने पर उसमें स्वचालित रूप से पैसा डाले जाने की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने 'ई-मैंडेट' रूपरेखा के तहत इन उत्पादों में स्वत: पैसा डालने की सुविधा देने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति के निर्णय की जानकारी देते हुए यह बताया।

नौकरी के बदले जमीन घोटालाः

लालू समेत 77 अन्य के खिलाफ अंतिम आरोपपत्र हुआ दाखिल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों की कथित संलिप्तता वाले नौकरी के बदले जमीन घोटाले के सिलसिले में अपना अंतिम आरोपपत्र शुक्रवार को दाखिल कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा विशेष अदालत को सौंपी गई अंतिम रिपोर्ट में उन सभी रेलवे जोन को शामिल किया गया है, जहां लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर जमीन लिए जाने के एवज में नौकरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने पर सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश (सांसद/विधायक मामले) के समक्ष 78 आरोपियों के खिलाफ अपना तीसरा और अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपियों में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप यादव (जिनके खिलाफ पहली बार आरोप पत्र दाखिल किया गया है), बेटी हेमा यादव, पूर्व ओएसडी भोला यादव और राजद प्रमुख के एक पूर्व कर्मचारी सदस्य शामिल हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

खीझिए मत

आए कितने ही आक्रांता,
क्या बदला सब परिवेश कहो।
बदली कितनी ही फैशन पर,
क्या बदला देशी भेष कहो।
कितने दल आए और गए,
बदले क्या सब आदेश कहो।
इक दल के जीत जाने से ही,
कैसे हारा यह देश कहो।।

मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से उनके आवास पर मुलाकात की।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही : पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)/एपी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि भारी-भरकम अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ रही है। पुतिन ने कहा कि रूस ने अफ्रीका, पश्चिमी एशिया और एशिया में कई देशों के साथ आर्थिक संबंधों में विस्तार किया है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल

इकोनॉमिक फोरम में बोलिविया व जिम्बाब्वे के नेताओं और व्यापार जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि रूस वैश्विक व्यापार में एक मुख्य साझेदार बना हुआ है, बावजूद इसके कि यूक्रेन में सैनिकों को भेजने के लिए देश कई प्रतिबंधों की मार झेल रहा है। रूस दशकों से इस फोरम का इस्तेमाल देश के विकास का बखान करने के लिए करता आ रहा है, हालांकि पश्चिमी देशों के अधिकारियों और निवेशकों ने इस सत्र से दूरी बनाए रखी क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से रूस का पश्चिमी यूरोप, अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ व्यापार काफी हद तक बंद हो चुका है।

रूस पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार भेजने पर विचार करेगा

सेंट पीटर्सबर्ग/एपी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार भेजने पर विचार करेगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किन देशों या संस्थाओं की बात कर रहे हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस फिलहाल ऐसा नहीं कर रहा है। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच में कहा, ''यदि वे युद्ध क्षेत्र में हथियार उपलब्ध कराते हैं और हमारे क्षेत्र के खिलाफ इन हथियारों का इस्तेमाल करने का आह्वान करते हैं तो हमें ऐसा करने का अधिकार क्यों नहीं है?'' पुतिन ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि रूस पश्चिमी देशों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अन्य को लंबी दूरी के हथियार मुहैया करा सकता है।

भुगतान में रुकावट बैंकिंग प्रणाली में खराबी के कारण, एनपीसीआई की वजह से नहीं : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

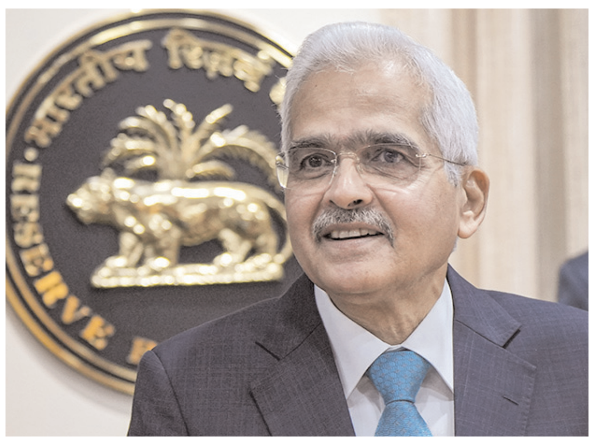

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी पड़ताल में यह पाया है कि लोगों को यूपीआई या एनपीसीआई की वजह से नहीं बल्कि बैंकिंग प्रणाली में खराबी के कारण ऑनलाइन भुगतान में रुकावट का सामना करना पड़ रहा है।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय बैंक के संबंधित अधिकारी ऑनलाइन भुगतान में रुकावट के हरेक मामले का अध्ययन करते हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसकी वजह क्या रही। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) या एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) मंच में कोई समस्या नहीं पाई गई है। दास ने कहा, ''एनपीसीआई या यूपीआई में कोई समस्या नहीं है। समस्या बैंक की ओर से आती है। हमें इसे भी ध्यान में रखना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आरबीआई की टीमें भुगतान में रुकावट की जांच करते समय एनपीसीआई से भी संपर्क करती हैं। प्रणाली में खराबी के समय (डाउन टाइम) को कम- से- कम रखने के लिए आरबीआई ने इन संस्थाओं के साथ बहुत सख्ती बरती है। आरबीआई ने तकनीकी खामियां मिलने पर कोटक महिंद्रा बैंक जैसे कुछ ऋणदाताओं पर कारोबारी प्रतिबंध भी लगाए हैं। दास ने कहा कि बैंक प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर पर्याप्त निवेश कर रहे हैं लेकिन सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली के लिए समग्र व्यवसाय वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी है।

आरबीआई ने आठवीं बार रेपो दर को 6.5% पर कायम रखा, एमपीसी के दो सदस्य कटौती के पक्ष में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा में उम्मीद के मुताबिक नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा। मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच महंगाई को काबू में रखने के प्रयास के तहत आरबीआई ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, ''मौद्रिक नीति समिति ने लगातार आठवीं बार नीतिगत दर को यथावत रखने का निर्णय किया। साथ ही उदार रुख को वापस लेने के अपने निर्णय पर भी कायम रहने का फैसला किया है।'' उदार रुख को वापस लेने से आशय अपेक्षाकृत आक्रामक रुख से है। हालांकि, मौद्रिक नीति समिति में इस बार दो सदस्यों ने अलग राय दी। पिछले बार के एक के मुकाबले दो सदस्यों ने नीतिगत दर में कटौती और रुख को कुछ नरम किये जाने के पक्ष में मतदान किया। एमपीसी के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने, जबकि दो...आशिमा गोयल और प्रोफेसर जयंत आर वर्मा ने इसमें 0.25 प्रतिशत कमी लाने और रुख को तटस्थ करने के लिए मतदान किया। यह फैसला नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री का पद संभालने से कुछ ही दिन पहले आया है।

बैंकों को अपनी कारोबारी रणनीति को नए सिरे से बनाने की जरूरत : दास

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि बैंकों को ऋण और जमा वृद्धि के बीच लगातार बने अंतर का पाटने के लिए अपनी रणनीति में नए सिरे से बदलाव करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो बिना गारंटी वाले कर्ज में वृद्धि को कम करने के लिए आगे भी कदम उठाए जा सकते हैं।

आरबीआई ने पिछले वर्ष नवंबर में बिना गारंटी वाले खुदरा ऋणों में अत्यधिक वृद्धि तथा बैंक वित्तपोषण पर एनबीएफसी की अत्यधिक निर्भरता को लेकर चिंता जताई थी।

दास ने द्विमासिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, '' हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि इन ऋण तथा अग्रिम में कुछ कमी आई है। हम आने वाले आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि भविष्य में और उपाय आवश्यक हैं या नहीं।'' उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''संदेश यह है कि आरबीआई वित्तीय क्षेत्र, विशेषकर बैंकिंग क्षेत्र के हर पहलू पर नजर रख रहा है। हम सतर्क हैं और जब भी कुछ और उपायों की आवश्यकता होगी, हम कदम उठाएंगे।'' केंद्रीय बैंक ने इन क्षेत्रों में किसी भी संभावित जोखिम उत्पन्न होने से रोकने के लिए 16 नवंबर, 2023 को असुरक्षित उपभोक्ता ऋण व एनबीएफसी को बैंक ऋण पर जोखिम भार बढ़ा दिया था।

कंगना रनौत प्रकरण : किसान संगठनों ने सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल के प्रति जताया समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। देश के कुछ किसान संगठनों ने शुक्रवार को सीआईएसएफ की उस महिला कांस्टेबल का समर्थन किया, जिसने अभिनेत्री व भाजप की नव निर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था। इन संगठनों ने कहा कि पूरे प्रकरण की उचित जांच की जानी चाहिए।

रनौत ने वीडियो संदेश में कहा कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की कांस्टेबल ने उनके चेहरे पर थप्पड़ मारा और दुर्व्यवहार किया। हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के दो दिन बाद यह घटना हुई है । संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा उन प्रमुख संगठनों में से है, जिन्होंने कहा कि वे सीआईएसएफ आरोपी महिला कांस्टेबल के साथ खड़े हैं।

किसानों के विरोध प्रदर्शन पर कंगना के रुख को लेकर उनसे नाराज दिखाई देने वाली कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है। हवाई अड्डों पर सुरक्षा प्रदान करने का काम करने वाली सीआईएसएफ ने भी घटना की 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का आदेश दिया है। एसकेएम (गैर-राजनीतिक) नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल व किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि वे मामले की उचित जांच के लिए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव से मिलेंगे। डल्लेवाल ने पंधेर और कुछ अन्य किसान नेताओं के साथ यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम उचित जांच की मांग करेंगे और हम उनसे कहेंगे कि महिला कांस्टेबल के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए।''

अडाणी समूह श्रीलंका में पवन परियोजनाओं में एक अरब डॉलर से अधिक निवेश करेगा

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह श्रीलंका में पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है।

सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह पड़ोसी देश में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और अब तक की सबसे बड़ी बिजली परियोजना होगी। समूह की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) श्रीलंका के मन्नार शहर और उत्तरी क्षेत्र के पूनरीन गांव में लगभग 74 करोड़ डॉलर के निवेश से 484 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता वाली दो पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करेगी।

मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि इससे संबंधित बुनियादी ढांचे में 29 करोड़ डॉलर से अधिक का अतिरिक्त निवेश होगा। इसकी मदद से उपभोग केंद्रों तक बिजली पहुंचाई जाएगी। उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं न केवल श्रीलंका की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना होंगी, बल्कि देश की अब तक की सबसे बड़ी बिजली परियोजना भी होंगी। श्रीलंका ने पिछले महीने 20 वर्षों के लिए अडाणी के पवन ऊर्जा केंद्रों से बिजली खरीदने के लिए एक समझौता किया था। समझौते के अनुसार एजीईएल को प्रति यूनिट 8.26 सेंट का भुगतान किया जाएगा।

सुनिश्चित करना होगा कि मध्यस्थता संस्थानों को विशेष समूह नियंत्रित नहीं करे : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि महज मध्यस्थता संस्थान स्थापित करना पर्याप्त नहीं है और यह सुनिश्चित करना होगा कि ये विवाद निवारण केंद्र एक विशेष समूह द्वारा नियंत्रित नहीं हो। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत जैसे देशों के लिए यह समय वाणिज्यिक मध्यस्थता को बढ़ावा देने और मध्यस्थता को संस्थागत करने का है, जो 'ग्लोबल साउथ' की मध्यस्थता परंपरा को आगे बढ़ाएगा।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित या अल्पविकसित कहा जाता है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत में अदालतों पर मुकदमों का अत्यधिक बोझ है जबकि उच्च न्यायालयों ने 2023 में 21.5 लाख मामलों का और जिला अदालतों ने 4.47 करोड़ मामलों का निस्तारण किया। उन्होंने कहा, ''ये आंकड़े भारत के लोगों द्वारा अपनी न्यायपालिका में जताये जाने वाले विश्वास को प्रदर्शित करते हैं। हमारी न्यायपालिका इस मंत्र पर काम करती है कि कोई मामला छोटा या बड़ा नहीं है। अदालतों का दरवाजा खटखटाने वाले हर पीड़ित व्यक्ति को राहत पाने का अधिकार है।'' उन्होंने कहा, ''भारत में न्यायालय अपना संवैधानिक दायित्व निभाते हैं। लेकिन निश्चित रूप से हर मामले को न्यायालय में लाकर समाधान ढूंढने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि मध्यस्थता विवाद समाधान के उभरते तरीके के रूप में स्वीकार्य हो रहे हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हाल के वर्षों में, भारत में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्रों की स्थापना की गई तथा उनमें मध्यस्थता के मामलों का आना क्रमिक रूप से बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''लेकिन केवल संस्थान स्थापित करना ही पर्याप्त नहीं है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि ये संस्थान खुद को बनाये रखने वाले समूह द्वारा नियंत्रित नहीं हों। ये संस्थान अवश्य ही पेशेवर कार्य प्रणाली और निरंतर मध्यस्थता प्रक्रियाएं उत्पन्न करने की क्षमता पर आधारित होने चाहिए।''

अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने हवाई अड्डों पर यात्री प्रबंधन की खुली व्यवस्था की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह के हवाई अड्डा कारोबार प्रमुख अरुण बंसल ने शुक्रवार को हवाई अड्डों पर यात्री प्रबंधन को लेकर एक खुली व्यवस्था की वकालत की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऐसी प्रणाली की पेशकश करने वालों का एकाधिकार है।

अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लि. (एएएचएल) सात हवाई अड्डों का प्रबंधन करती है और नवी मुंबई हवाई अड्डे का विकास भी कर रही है। एएएचएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बंसल ने कहा कि यात्री प्रबंधन प्रणालियां आज 'अंतर-संचालनीय' यानी यात्री प्रबंधन सुविधा देने का जिम्मा कुछ ही इकाइयों के पास है। उन्होंने कहा, '' इन पर कुछ का एकाधिकार है और मैं वास्तव में चाहता हूं कि भारतीय सॉफ्टवेयर डेवलपर आगे आएं। एक ऐसी यात्री प्रबंधन प्रणाली बनाएं जो खुली (ओपन सोर्स) हो और हर कोई उसका उपयोग कर सके।''

बंसल कहा कि इस संबंध में वह नियामकों के साथ काम कर रहे हैं। एएएचएल यात्री संबंधी कार्य की प्रणालियों के लिए स्वदेशी सॉफ्टवेयर विकसित करने को भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के साथ भी सहयोग कर रही है।

'सीएपीए इंडिया एविएशन समिट' 2024 के मौके पर बंसल ने कहा कि ओपन-सोर्स प्रणाली के संबंध में किसी नीतिगत बदलाव की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, '' इसमें किसी नीतिगत बदलाव की आवश्यकता नहीं है। मौजूदा सॉफ्टवेयर कंपनियों ने इसे ऐसा बना दिया है कि आप इसमें कोई बदलाव नहीं कर सकते, जबकि पूरी दुनिया 'ओपन सोर्स' का रुख कर रही है।''

एएएचएल वर्तमान में मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में सात हवाई अड्डों का प्रबंधन करती है।

मध्य प्रदेश के मुरैना में दलित सरपंच को पेड़ से बांधकर पीटा गया, एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुरैना/भाषा। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक दलित सरपंच को कथित तौर पर एक पेड़ से बांधकर पीटा गया, जिससे उसे अपना पैतृक गांव छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। शिकायत के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि कौथरकलां पंचायत के सरपंच ने बृहस्पतिवार को पोरसा थाने में अपनी शिकायत में कहा कि पिछले दो साल से गुंडे उसे परेशान कर रहे थे, बदमाश चाहते थे कि वह अपना पद छोड़ दे और साथ ही अपना 'डोंगल' सौंप उन्हें दें, जिसमें उसका 'डिजिटल सिग्नेचर पासवर्ड' था।

अधिकारी ने शिकायत के हवाले से बताया कि जब उसने उनकी मांगें मानने से इनकार कर दिया तो उसे तीन मई को कौथरकलां के बाहरी इलाके में ले जाया गया, एक पेड़ से बांधकर उसकी पिटाई की गई। अंबाह के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) रवि भदौरिया ने बताया, सरपंच की शिकायत के आधार पर दिवाकर सिंह तोमर और उसके भाई पिंकू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दिवाकर को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पीड़ित सरपंच ने बाद में अपना सामान एक वाहन में भरा और अपने रिश्तेदारों के साथ गोहद शहर के लिए रवाना हो गया।

केजरीवाल की नियमित जमानत का ईडी ने किया विरोध, कहा कि घेरने के लिए पर्याप्त सबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत के समक्ष कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नियमित जमानत आवेदन का विरोध किया। एजेंसी ने दावा किया कि उसके पास दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गंभीर आर्थिक अपराधों से जोड़ने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को बताया कि उसके पास केजरीवाल के खिलाफ कई सबूत हैं।

न्यायाधीश ने मामले की अगली सुनवाई 14 जून के लिए निर्धारित की है।

प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया कि, आवेदक (केजरीवाल) के खिलाफ धन शोधन के अपराध में शामिल होने के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं और जमानत पर उसकी रिहाई से इस बहुस्तरीय घोटाले की आगे की जांच पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसमें आरोप लगाया है कि, वह (केजरीवाल) गंभीर आर्थिक अपराधों में संलिप्त है। अदालत ने इस मामले में अरविंद केजरीवाल को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। न्यायाधीश ने यह आदेश तब पारित किया जब, केजरीवाल तिहाड़ केंद्रीय जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश हुए थे। जब केजरीवाल उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम जमानत पर बाहर थे, तभी प्रवर्तन निदेशालय की ओर से आवेदन दायर किया गया था। अदालत ने 20 मई को इसी आवेदन पर आदेश पारित किया था।

अदालत ने पांच जून को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवल की चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी।

चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत गिर सकती है वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री: इक्रा

नई दिल्ली/भाषा। पिछले साल के उच्च आधार और मांग में गिरावट से प्रभावित घरेलू वाणिज्यिक वाहन उद्योग की थोक बिक्री चालू वित्त वर्ष में चार से सात प्रतिशत तक घटने की आशंका है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि उच्च आधार प्रभाव और पहले कुछ महीनों में बुनियादी ढांचा गतिविधियों पर लोकसभा चुनाव प्रक्रिया के प्रभावों को देखते हुए मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (ट्रकों) की बिक्री में सालाना आधार पर चार से सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

इक्रा ने कहा कि हल्के वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री में वित्त वर्ष 2024-25 में पांच से आठ प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है। उच्च आधार प्रभाव, ई-कॉमर्स गतिविधियों में सुस्ती और इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों से बिक्री में गिरावट से ऐसा होने का अनुमान है।

लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग करें तेदेपा और जदयूः आदित्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

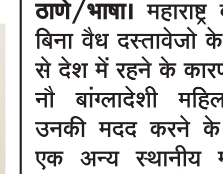

मुंबई/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में आए तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अड़े रहना चाहिए।

ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में ठाकरे ने दावा किया कि सरकार बनाते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने सहयोगी दलों को तोड़ने की कोशिश में लग जाएगी। उन्होंने कहा, नए राजग के संभावित सहयोगी दलों को एक विनम्र सुझाव है। स्पीकर (लोकसभा अध्यक्ष) का पद हासिल करें। ठाकरे ने अप्रत्यक्ष रूप से शिवसेना और राकांपा में हुए विभाजन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भाजपा की चालों का अनुभव हो चुका है, जैसे ही वे आपके साथ सरकार बनाएंगे, वादे तोड़ देंगे और आपकी पार्टियों को भी तोड़ने की कोशिश करेंगे। यह आपको पहले ही अनुभव हो चुका होगा। चूंकि भाजपा सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत से पीछे रह गई है, इसलिए प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए तेदेपा और जदयू का समर्थन महत्वपूर्ण हो गया है। राजग को कुल 293 सीट मिली हैं, जिनमें से भाजपा के पास 240 सीट हैं। 16 सांसदों के साथ तेदेपा राजग में दूसरी और 12 सांसदों के साथ जदयू तीसरी बड़ी पार्टी है।

नौ बांग्लादेशी महिलाओं एवं उनको आश्रय देने वाली को भी गिरफ्तार किया गया

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे में बिना वैध दस्तावेजो के लंबे समय से देश में रहने के कारण पुलिस ने नौ बांग्लादेशी महिलाओं तथा उनकी मदद करने के आरोप में एक अन्य स्थानीय महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी ।

नया नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बुधवार को मीरा रोड के शांति नगर और गीता नगर इलाकों में अवैध रूप से रह रही नौ बांग्लादेशी महिलाओं को छापेमारी के बाद पकड़ लिया गया।

अधिकारी ने कहा, ''जिस महिला ने उन्हें आश्रय दिया था, उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। घर का मालिक मामले में वांछित है। हमने उन पर भारतीय दंड संहिता, पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप लगाए हैं।''

3 वर्षों में वंदे भारत की गति 84 से घटकर 76 किमी प्रति घंटे हुई : आरटीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वंदे भारत ट्रेनों की औसत गति 2020-21 में 84.48 किलोमीटर प्रति घंटे से घटकर 2023-24 में 76.25 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई है। रेल मंत्रालय ने सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत एक आवेदन के जवाब में यह जानकारी दी है।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि न केवल वंदे भारत बल्कि कई अन्य ट्रेनें भी उन मार्गों पर गति को लेकर सावधानी बरत रही हैं जहां बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचागत कार्य चल रहे हैं। रेलवे अधिकारी ने कहा, इसके अलावा, कुछ वंदे भारत ट्रेनें दुर्गम क्षेत्रों में भी चलाई गई हैं, जहां भौगोलिक कारणों या खराब मौसम की वजह से तेज गति प्रतिबंधित हैं। मुंबई सीएसएमटी और मडगांव के बीच वंदे भारत ट्रेन का उदाहरण देते हुए सेंट्रल रेलवे जोन के एक अधिकारी ने कहा, कोंकण रेलवे का अधिकांश क्षेत्र 'घाट' है, जहां ट्रेनें कम ऊंचाई वाली पर्वत श्रृंखलाओं से होकर गुजरती हैं। यह दुर्गम क्षेत्र है, जहां गति बढ़ाने से सुरक्षा का सवाल पैदा हो जाता है। उन्होंने आगे कहा,मानसून के मौसम में ट्रेनों का संचालन तब चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जब हमें सभी ट्रेनों की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रखनी होती है। आरटीआई आवेदक मध्य प्रदेश निवासी चंद्रशेखर गौड़ ने कहा, आरटीआई के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि वंदे भारत ट्रेनों की औसत गति 2020-21 में 84.48 किमी प्रति घंटा थी, जो 2022-23 में घटकर 81.38 किमी प्रति घंटा हो गई। साल 2023-2024 में इसकी रफ्तार और कम होकर 76.25 किमी प्रति घंटा रह गई।

भारत में मई की लू देश की अब तक की सबसे गर्म लहर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में मई में महसूस की गई लू अब तक के सबसे अधिक गर्म ग्रीष्म लहर से डेढ़ डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म थी। जलवायु वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के एक स्वतंत्र समूह द्वारा एक नए अध्ययन में इसकी जानकारी दी गयी है।

'क्लाइमामीटर' के शोधकर्ताओं ने कहा कि मई में भारत में प्रचंड एवं लंबे समय तक चलने वाली गर्मी की लू प्राकृतिक रूप से होने वाली घटना अल नीनो प्रक्रिया का परिणाम थी। शोधकर्ताओं ने विश्लेषण किया कि भारत की मई में उच्च तापमान जैसी घटनाएं अतीत (1979-2001) की तुलना में वर्तमान (2001-2023) में कैसे बदल गयी। इस विश्लेषण में कहा गया है कि तापमान में बदलाव से यह पता चलता है कि इसी तरह की घटनाओं से मौजूदा जलवायु में उत्पन्न तापमान अतीत की तुलना में कम से कम 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है । वर्षा परिवर्तन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखता है।'' 'फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च' के डेविड फरांदा ने बताया कि क्लाइमामीटर के निष्कर्ष इस बात को रेखांकित करते हैं कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण भारत में लू यानी तापलहर, तापमान की असहनीय सीमा तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा, ''तापमान 50 डिग्री के आस पास पहुंचने का कोई तकनीकी समाधान नहीं है। हम सब लोगों को कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन कम करने तथा उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में तापमान सीमा से अधिक पहुंचने से रोकने की दिशा में काम करना चाहिये।'' 'नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर' के जियानमार्को मेंगाल्डो ने कहा कि निष्कर्ष प्राकृतिक परिवर्तनशीलता और जलवायु परिवर्तन के बीच जटिल परस्पर क्रिया को दर्शाते हैं, जिसमें जलवायु परिवर्तन उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मौसम पैटर्न परिवर्तनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो निकट भविष्य में तापलहर को काफी हद तक बढ़ा सकता है।

राजग ने अपने प्रदर्शन से दक्षिण भारत में 'नयी राजनीति' की नींव मजबूत की : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन से दक्षिण भारत में 'नयी राजनीति' की नींव मजबूत की है।

राजग संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने केरल में त्रिशूर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुरेश गोपी की जीत की सराहना करते हुए कहा कि पहली बार उनकी पार्टी का कोई प्रतिनिधि राज्य से संसद के निचले सदन में पहुंचा है। मोदी ने तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव में राजग के चुनावी प्रदर्शन का उल्लेख किया और कहा कि हालांकि भाजपा समेत उसका गठबंधन राज्य में एक भी सीट नहीं जीत सका लेकिन वहां उसके वोट प्रतिशत में वृद्धि ने भविष्य के लिए 'एक स्पष्ट संदेश' दिया है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, ''इस चुनाव में राजग ने दक्षिण भारत में नयी राजनीति की नींव मजबूत की है।'' कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, उन्होंने हाल ही में कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी सरकार बनाई है। लेकिन लोगों का विश्वास (कांग्रेस में) तुरंत टूट गया। वे भ्रम से बाहर आए और दोनों राज्यों में राजग को गले लगा लिया।

तमिलनाडु टीम को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, ''वहां हमारा राजग परिवार बहुत बड़ा है। तमिलनाडु में राजग के कई सहयोगियों के पास अपना उम्मीदवार नहीं था। लेकिन इस झंडे को ऊंचा रखने के लिए वे पूरी तरह जुट गए। हालांकि हम तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं जीत पाए लेकिन जिस तेजी से हमारा वोट शेयर बढ़ा है उससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि कल के लिए क्या लिखा हुआ है।'' तमिलनाडु में भाजपा और राजग के उसके सहयोगी दलों ने सभी 39 सीट पर चुनाव लड़ा था। भाजपा ने 23 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इस चुनाव में तमिलनाडु में राजग ने कुल मिलाकर 18.28 प्रतिशत वोट हासिल किए, जो 3.31 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अकेले भाजपा के अपने वोट शेयर में 2019 में 3.6 प्रतिशत से बढ़कर इस बार 11.24 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मोदी ने राज्य में राजनीतिक हिंसा की विभिन्न घटनाओं में भाजपा कार्यकर्ताओं की कथित हत्याओं का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा, केरल में हमारे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन का बलिदान दिया।

उन्होंने कहा, ''अगर भारतीय राजनीतिक जीवन में एक विशेष विचारधारा के साथ रहने वाले लोगों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार हुए हैं, तो मैं कह सकता हूं कि यह केरल में हुआ है। यह जम्मू कश्मीर में जो हुआ... उससे कहीं अधिक हुआ है।'' मोदी ने स्पष्ट तौर पर गोपी के संदर्भ में कहा, कोई जीत नहीं दिख रही थी। फिर भी, वे अत्यधिक प्रयास करने से कभी पीछे नहीं हटे। इस पर पीढ़ियां बिताईं। और, आज पहली बार, हमारा प्रतिनिधि केरल से संसद में आया है।'' उन्होंने आंध्र प्रदेश की कुल 25 लोकसभा सीट में से 21 पर राजग की जीत की सराहना की और कहा कि गठबंधन को इतना बड़ा जनादेश देश की प्रगति के लिए लोगों की इच्छा का प्रतिबिंब है।

आंध्र प्रदेश में राजग के घटक तेलुगू देशम पार्टी ने 16 लोकसभा सीट जीतीं, जबकि भाजपा ने तीन और जन सेना पार्टी ने दो सीट पर जीत दर्ज की।

कांग्रेस ने ईवीएम को खारिज नहीं किया : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम को खारिज नहीं करती है और वह वीवीपीएटी में सुधार के पक्ष में है।

चिदंबरम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र में हमने ईवीएम को खारिज नहीं किया है। उन्होंने कहा, कृपया घोषणापत्र पढ़ें, हम यही कह रहे हैं कि वीवीपीएटी पर्ची, हमारे पढ़ने के लिए, लगभग 4-5 सेकंड तक प्रदर्शित होती है और फिर पर्ची बॉक्स के अंदर गिर जाती है। हमने घोषणापत्र में कहा है कि एक और सुधार होना चाहिए।

वीवीपीएटी बक्से में पर्ची के स्वतः गिरने के बजाय, मतदाता को उसे प्राप्त करने, उसे देखने और फिर उसे बक्से में डालने की सुविधा मिलनी चाहिए तथा इस सुधार से ईवीएम-वीवीपीएटी प्रणाली के संबंध में किसी के मन में कोई संदेह नहीं रहेगा।

लोगों ने मोदी को देश पर शासन करने के लिए जनादेश नहीं दिया है : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शुक्रवार को दावा किया कि लोगों ने नरेन्द्र मोदी को देश में शासन करने के लिए जनादेश नहीं दिया है बल्कि परिस्थितियों के चलते वह दूसरों की मेहरबानी'' के सहारे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। द्रमुक ने मोदी के प्रधानमंत्री बनने के लिए तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और जद (यू) समेत राजग सहयोगियों से मिले समर्थन की ओर इशारा किया। द्रमुक के तमिल मुखपत्र 'मुरासोली' ने अपने संपादकीय में कहा कि मोदी ने भगवान के नाम पर वोट मांगे और जब उनका अभियान सफल नहीं हुआ तो उन्होंने दावा किया कि वह भगवान के ''अवतार हैं'' लेकिन अब वे तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जद (यू) प्रमुख नीतीश कुमार के समर्थन के कारण ही प्रधानमंत्री बनेंगे।

संपादकीय में कहा गया है, अब बड़े-बड़े दावे करना बंद करो, यह आश्वासन देना बंद करो कि 400 सीट और 370 सीट के साथ आप यह करेंगे, वह करेंगे; भारतीय लोगों की दैनिक जरूरतों को पूरा करें। एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो आंसुओं और चिंताओं से मुक्त हो। वही काफी है। इसमें कहा गया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान हालांकि मोदी ने कहा था कि उनकी पार्टी अकेले 370 सीट जीतेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और भाजपा को केवल 240 सीट ही मिल सकीं। संपादकीय में कहा गया है, ''हम अपनी आंखों से भाजपा को रसातल में जाते हुए देख रहे हैं।''

इसमें कहा गया है कि मोदी ने हालांकि कहा था कि ''राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीट जीतेगा, लेकिन वह केवल 292 सीट ही जीत सका। इसमें कहा गया है, इस तरह की असफलता और हार के लिए अकेले मोदी को ही जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'' संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि लोकसभा चुनाव सात चरणों में केवल मोदी के लिए'' कराये गये थे क्योंकि वह सभी राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करना चाहते थे ताकि 400 सीट पर जीत हासिल कर सकें और उसका श्रेय ले सकें। इसमें कहा गया है कि इसलिए सभी असफलताओं की जिम्मेदारी भी मोदी को ही लेनी चाहिए।

विरुधुनगर लोकसभा सीट पर दोबारा मतगणना कराने की मांग की डीमएडीके ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देसिया मुरपाक्कू द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) ने तमिलनाडु की विरुधुनगर लोकसभा सीट पर दोबारा मतगणना कराने की मांग की है जहां हालिया संपन्न संसदीय चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार की हार हुई थी। इस लोकसभा सीट पर डीएमडीके उम्मीदवार अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से चार हजार मतों के अंतर से चुनाव हार गये थे। डीएमडीके की महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने निर्वाचन क्षेत्र में मतों की गिनती में अनियमितता का आरोप लगाया और कहा कि उनके बेटे तथा पार्टी उम्मीदवार वियज प्रभाकरण को हराने के लिये साजिश की गयी।

डीएमडीके ने विपक्षी अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के साथ गठबंधन किया था। पार्टी ने गठबंधन के तहत प्रदेश की पांच सीटों पर अपने उम्म्मीदवार उतारे थे। प्रेमलता ने संवाददाताओं से कहा, ''जब मतगणना शुरू हुई तो विजय प्रभाकरण की संभावनाएं बेहतर थी। हालांकि, बाद में रात में यह घोषणा की गई कि वह सिर्फ 4,379 मतों के अंतर से चुनाव हार गए हैं।''

उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि वह 10 लाख मतदाताओं वाले निर्वाचन क्षेत्र में केवल 4,379 वोटों के अंतर से चुनाव हार गए। इससे पता चलता है कि 'यह सुनियोजित' है और वोटों की गिनती के पीछे 'एक साजिश' हुई है और इसे साबित करने के लिये हमारे पास साक्ष्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित वोटों की संख्या मतगणना केंद्र पर अधिकारियों द्वारा बताई गई संख्या से मेल नहीं खाती। प्रेमलता ने कहा कि उनकी पार्टी ने विरुधुनगर निर्वाचन क्षेत्र में वोटों की दोबारा गिनती करने की मांग करते हुए पत्रों के माध्यम से चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कहा, ईमेल और पंजीकृत डाक के माध्यम से, हमने चुनाव आयोग से (विरुधुनगर निर्वाचन क्षेत्र में) वोटों की पुनर्गणना कराने की मांग की है। मीडिया के माध्यम से, मैं चुनाव आयोग से तुरंत वोटों की दोबारा गिनती कराने की भी मांग कर रही हूं। कांग्रेस उम्मीदवार बी मणिकम टैगोर ने विरुधुनगर निर्वाचन क्षेत्र से 3,85,256 वोट हासिल कर जीत हासिल की, जबकि विजय प्रभाकरण को 3,80,877 वोट मिले।

मद्रास उच्च न्यायालय ने कथित जबरन वसूली के मामले में आईपीएस अधिकारी को किया बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाली कंपनी पाजी फोरेक्स ट्रेडिंग इंडिया लिमिटेड' के निदेशकों से कथित रूप से पैसा ऐंठने को लेकर दर्ज किये गये एक मामले में आईपीएस अधिकारी प्रमोद कुमार को शुक्रवार को बरी कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने कोयंबटूर के द्वितीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (सीबीआई मामले) के आदेश को दरकिनार करते हुए प्रमोद कुमार को बरी कर दिया।

द्वितीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (सीबीआई मामले) की अदालत ने प्रमोद कुमार को बरी करने से इनकार कर दिया था और उनके विरूद्ध आरोप तय किये थे। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही थी। प्रमोद कुमार की आपराधिक समीक्षा याचिकाओं को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि दोनों पक्षों द्वारा दी गयी दलीलों का विस्तृत विश्लेषण करने तथा याचिकाकर्ता के विरूद्ध तय किये गये आरोपों को परखने के बाद यह अदालत इस निष्कर्ष पहुंची कि इस पर सही तरीके से विचार नहीं लगाया गया तथा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन किया गया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि अभ्यारोपण में याचिकाकर्ता के खिलाफ जिन अपराधों का आरोप लगाया गया है, उन्हें सीबीआई प्रथम दृष्टया साक्ष्यों से साबित नहीं कर पायी है इसलिए अधीनस्थ अदालत के 23 नवंबर और 28 नवंबर , 2013 के आदेश त्रुटिपूर्ण एवं मान्य नहीं हैं। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि प्रमोद कुमार ने बतौर पुलिस महानिरीक्षक अपने पद का कथित रूप से दुरूपयोग किया एवं पाजी फोरेक्स' से 10 करोड़ रुपये ऐंठे।

प्रमोद कुमार को बरी करते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि सीबीआई इस मामले में याचिकाकर्ता के विरूद्ध (रिश्वत की) मांग और प्राप्ति के मूल तत्वों को ही साबित नहीं कर पायी तथा केवल इतना भर कह देना कि याचिकाकर्ता की ओर से अन्य आरोपियों ने पैसे लिये, से मामले की प्रतिपुष्टि नहीं होती।

राहुल गांधी ने कांग्रेस सांसदों से कर्नाटक की आवाज बनने को कहा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों को दिल्ली में राज्य की आवाज बनने की सलाह दी है। होटल शांगरीला में राहुल गांधी के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी ने नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों और पराजित उम्मीदवारों के साथ बैठक की। उन्होंने नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों को सलाह दी कि वे यथासंभव अपने निर्वाचन क्षेत्र के संपर्क में रहें और राज्य सरकार के सहयोग से अच्छा काम करें। उन्होंने उनसे राज्य के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, पिछले संसद में कर्नाटक से केवल एक सांसद ने राज्य के लिए आवाज उठाई थी, यह कहते हुए राहुल गांधी ने नए सांसदों को सलाह दी कि वे कर हस्तांतरण, कलासा भंडूरी, मेकेदातु, अपर भद्रा, वित्त आयोग, पेरिफेरल रिंग रोड आदि के संबंध में राज्य के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज उठाएं।

राहुल गांधी ने पराजित उम्मीदवारों से भी बात की और उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में अपना काम जारी रखने और लोगों का दिल जीतने की सलाह दी। बाद में राहुल गांधी ने कुछ मंत्रियों से मुलाकात की और उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री और मुझे विभिन्न नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद चुनाव प्रदर्शन पर एक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री और मुझे 8 जून को एआईसीसी कार्यसमिति की बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। दिल्ली से वापस आने के बाद हम समीक्षा बैठक करेंगे।

उन्होंने कहा, खरगे जी और अनुच्छेद 371 जे ने कल्याण कर्नाटक में पार्टी को मजबूती दी है और पार्टी ने इस क्षेत्र की सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की है। हम इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की रणनीति तय करेंगे।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी आज कानून के प्रति सम्मान के कारण अदालत में उपस्थित हुए। भाजपा ने हमारे खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई है। डीके सुरेश ने जमानत के लिए जमानत दी है। मैं पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने इस मामले में हमारा साथ दिया।

भाजपा विधायक अश्वथनारायण के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि राहुल गांधी मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांगने आए थे, उन्होंने कहा, पहले उन्हें अपनी पार्टी के बारे में बात करने दीजिए, भाजपा के कार्यकाल में धन के दुरुपयोग के कई मामले सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि विकास निगम घोटाले की जांच के आदेश पहले ही दे दिए हैं।

बेंगलूरु ग्रामीण में हार के मद्देनजर देवेगौड़ा परिवार से लड़ने की उनकी रणनीति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, देवगौड़ा, कुमारस्वामी, अनिथक्का, निखिल... ये सभी अतीत में हमसे हार चुके हैं। अब डीके सुरेश हार गए हैं। ईवीएम की कार्यप्रणाली के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ईवीएम को लेकर मेरे मन में कुछ संदेह हैं। मैं इस बारे में कुछ डाटा एकत्र कर रहा हूं और उसके बाद मैं आपसे इस बारे में बात करूंगा।

इस बैठक में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और कांग्रेस की कर्नाटक ईकाई के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मौजूद थे।

आईयूएमएल नेता ने महिलाओं से धार्मिक कारणों से, रोड शो में शामिल न होने के लिए कहा

कन्नूर। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की एक स्थानीय नेता की ओर से जारी कथित ऑडियो संदेश में पार्टी की महिला शाखा की सदस्यों से कहा गया कि वे संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नवनिर्वाचित सांसद शफी परमबिल की जीत का जश्न मनाने के लिए शुक्रवार को यहां एक कस्बे में आयोजित किए जा रहे रोड शो में शामिल न हों। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने हालांकि कहा कि उनकी ओर से ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है।

आईयूएमएल की महिला सदस्यों को ऑडियो संदेश में ऐसा निर्देश जारी करने के पीछे धार्मिक कारणों का हवाला दिया गया है। संदेश में आगे कहा गया कि यह निर्देश आईयूएमएल की महिला सदस्यों द्वारा बृहस्पतिवार को परमबिल की जीत के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए रोड शो में उत्साहपूर्वक जश्न मनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद जारी किया गया है।

आईयूएमएल के वरिष्ठ नेतृत्व ने कहा कि पार्टी ने ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया है क्योंकि महिलाओं ने वडकारा लोकसभा सीट पर परमबिल की जीत के उपलक्ष्य में अन्य विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित ऐसे समारोहों में हिस्सा लिया था। वडकारा लोकसभा सीट से यूडीएफ उम्मीदवार परमबिल ने सीपीआई(एम) की उम्मीदवार और लोकप्रिय चेहरा के के शैलजा को भारी मतों के अंतर से हराया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता के एम शाजी ने कहा कि किसी स्थानीय नेता के कथित ऑडियो संदेश का आईयूएमएल से कोई लेना-देना नहीं है और इसलिए पार्टी इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं करेगी।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''चूंकि पार्टी ने ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया है, इसलिए हमें इस पर टिप्पणी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।'' आईयूएमएल की कुथुपरम्बा विधानसभा क्षेत्र समिति के महासचिव और कथित तौर पर ऑडियो संदेश बनाने वाले शाहुल हमीद ने कहा कि इसे लेकर 'अनावश्यक विवाद' पैदा किया जा रहा है। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा कि न तो पार्टी और न ही कुथुपरम्बा समिति महिलाओं को दरकिनार करना चाहती है। शाहुल हमीद ने कहा कि यह निर्देश इसलिए जारी किया गया क्योंकि परमबिल के रोड शो में पार्टी की महिलाओं द्वारा मनाया गया जश्न समाज में चर्चा का विषय बन गया था और लोगों ने कहा कि उत्साह ने सारी हदें पार कर दी। हमीद ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को आचरण के संबंध में कुछ धार्मिक निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करना होता है और इसीलिए यह संदेश जारी किया गया है। संबंधित ऑडियो संदेश में आईयूएमएल की महिला शाखा की सदस्यों से यूडीएफ द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित रहने और परमबिल की जीत का सम्मान करते हुए उचित तरीके से जश्न मनाने तथा रोड शो में हिस्सा न लेने के लिए कहा गया है। संदेश में कथित तौर पर यह भी कहा गया है कि पार्टी की महिला शाखा की सदस्यों को अन्य राजनीतिक दलों की महिलाओं जैसा उत्साह दिखाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना की मां भवानी एसआईटी के समक्ष पेश हुईं

बेंगलूरु। हासन के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अपहरण के एक मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुईं। इससे पहले दिन में भवानी रेवन्ना को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी गई थी। भवानी पर एक महिला का अपहरण करने का आरोप है और उन्होंने कथित तौर पर अपने बेटे की मदद करने के लिए ऐसा किया था।

प्रज्ज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है और वह फिलहाल एसआईटी की हिरासत में हैं।

न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने उन्हें शुक्रवार अपराह्न एक बजे तक एसआईटी के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने और जांच में पूरा सहयोग करने की शर्त पर अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने उनके मैसूर जिले के केआर नगर तालुका और पूरे हासन जिले के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक लगा दी है, जहां महिला का कथित रूप से अपहरण हुआ था। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने अपहरण मामले के सिलसिले में भवानी के कार चालक को हिरासत में लिया है।

घोटालों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है सरकार : डॉ. अश्वत्थनारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। क्या राहुल गांधी वाल्मिकी विकास निगम के 187 करोड़ के गबन घोटाले पर पर्दा डालने के लिए केपीसीसी कार्यालय में बैठक करने आये थे? पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वत्थनारायण ने सवाल किया कि क्या बैठक मुख्यमंत्री का इस्तीफा लेने के लिए बुलाई गई थी। आज मल्लेश्वरम् में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'यह वह सरकार है जिसने दलितों का पैसा लूटा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह इस सरकार का इस्तीफा मांगने आये हैं।'

उन्होंने सवाल किया कि बिना सबकी भागीदारी के, बिना सरकार की सहमति के, बिना सबके ध्यान में आए राज्य के खजाने से पैसा ट्रांसफर करना कैसे संभव है? मुख्य लेखाकार परशुराम ने अपने शपथ पत्र में यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि साक्ष्य नष्ट न हों। इस घोटाले को लेकर 25 मई को चिकित्सा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल के कक्ष में मंत्री नागेंद्र और

वाल्मिकी निगम के चेयरमैन-विधायक बसवनगौड़ा दद्दल के साथ मामले पर चर्चा हुइ।. इसलिए, उन्होंने बताया कि उन्होंने उस बैठक के सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने के लिए अदालत में एक हलफनामा दायर किया था।

प्रदेश की पूरी कांग्रेस सरकार भ्रष्ट है। उन्होंने यह भी पूछा कि दलितों का पैसा दूसरे राज्यों में पहुंचाने और सबूत मिटाने पर आपके पास क्या जवाब है। डॉ. सी.एन. अश्वत्थनारायण ने मांग की कि यदि मुख्यमंत्री में नैतिकता, मूल्य और अपने अनुभव के प्रति सम्मान है तो उन्हें पहले इस्तीफा दे देना चाहिए। आपके विभाग में घोटाला हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से नैतिक जिम्मेदारी पर इस्तीफा देने की मांग की।

राजस्थान के अनेक जिलों में तेज आंधी की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के चार संभागों में शुक्रवार को 50-60 किलोमीटर की रफ्तार से धूल भरी आंधी आने की चेतावनी दी है। राज्य के अनेक हिस्सों में बृहस्पतिवार शाम भी तेज अंधड़ आया था जिससे अनेक जगह बिजली के खंभों आदि को नुकसान पहुंचा। मौसम केंद्र जयपुर ने शुक्रवार को एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद तीव्र मेघ गर्जन, 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आने व बारिश होने की संभावना जताई है। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान में आंधी के साथ कहीं-कहीं बारिश, वज्रपात व ओलावृष्टि होने की संभावना है।

इसके अनुसार नए मौसमी तंत्र का प्रभाव 8-9 जून को भी बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज, आंधी व हल्की बारिश के रूप में जारी रहेगा। वहीं 10 जून से कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आंधी आने, बारिश होने तथा शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू व राजधानी जयपुर सहित राज्य के अनेक इलाकों में शुक्रवार शाम व रात तेज धूल भरी आंधी आई। इससे अनेक जगह बिजली के खंभों सहित पेड़ों को नुकसान पहुंचा।

पेड़ गिरने से मां-बेटी की मौत

राजस्थान के नीम का थाना जिले में बृहस्पतिवार रात तेज आंधी के कारण पेड़ गिरने से एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मेहदा के थानाधिकारी राजवीर सिंह शेखावत ने बताया कि प्रदीप अपने परिवार के सदस्यों के साथ पेड़ के नीचे सो रहा था तभी इलाके में तेज आंधी आ गयी जिसके फलस्वरूप पेड़ उनके ऊपर गिर गया। उन्होंने कहा, घायलों को खेतड़ी के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रदीप की बेटी काजल को मृत घोषित कर दिया गया। बाद में काजल की मां सावित्री की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। शेखावत के अनुसार प्रदीप का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों ने अस्पताल के कर्मचारियों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है, लेकिन उन्हें समझा-बुझाकर शांत किया गया। उन्होंने बताया कि आज पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिए जाएंगे।

विद्यार्थी रोजगार पाने के इच्छुक बनने की बजाय रोजगार देने वाले बनें : कलराज मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय नयी शिक्षा नीति के आलोक में देशभर में ऐसा वातावरण निर्मित करें, जिससे विद्यार्थी रोजगार पाने के इच्छुक बनने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकें। मिश्र शुक्रवार को बीकानेर में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा स्थानीय विरासत को सहेजने-संवारने के लिये अपने परिसर में क्षेत्रीय इतिहास, सभ्यता, संस्कृति को परिलक्षित करने वाले केन्द्रों की स्थापना करने का आह्वान किया।

मिश्र ने बीकानेर को भाईचारे और सद्भाव की संस्कृति से जुड़ा शहर बताया और कहा कि यहां साहित्य और संस्कृति की समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने डॉ छगन मोहता, यादवेंद्र शर्मा ' चंद्र', अजीज आजाद आदि साहित्यकारों और उनके लिखे का उल्लेख करते हुए बीकानेर की लघु चित्र शैलियां, उस्ता कला, मथेरण कला, लोक संगीत, नृत्य आदि का भी स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि स्थानीय साहित्य, कला संस्कृति के प्रकाश में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय नयी पीढ़ी को दिशा दे। विश्वविद्यालयों में शोध और अनुसंधान की ऐसी परम्परा बनायें जिससे हम अपनी धरोहर को संरक्षित कर सकें। मिश्र ने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों के साथ विद्यार्थी जीवन-कौशल के साथ परिवेश की समझ से जुड़ सकें, जिसमें नवीन विचार और शोध के लिए विद्यार्थी उत्सुक हो।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति सब तक पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के स्तंभों पर आधारित है। इस नीति का उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करना है, जो सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करके भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में विकसित करने में सीधे योगदान देने में सक्षम बना सके।

उन्होंने नयी शिक्षा नीति को विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से लागू करने और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम निर्माण पर भी जोर दिया। कौशल विकास नयी शिक्षा नीति की प्राथमिकताओं में है। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम निर्मित करें, जिसमें स्थानीय पर्यटन संभावनाओं के साथ स्थानीय संस्कृति और परम्पराओं के संरक्षण की दिशा-दृष्टि बन सकें। उन्होंने शिक्षा के जरिये विद्यार्थी की शारीरिक, बौद्धिक एवं भावात्मक शक्तियों को परिपुष्ट और विकसित किये जाने पर भी कार्य करने की आवश्यकता जतायी।

उन्होंने 54 स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में 44 छात्रायें होने पर प्रसन्नता जताते हुये कहा कि छात्राओं का यह प्रदर्शन उत्साहजनक है। लड़कियों को यदि अवसर मिलते हैं तो वे जीवन में तेजी से उत्कर्ष की ओर बढ़ती हैं। उन्होंने महिला शिक्षा एवं सशक्तीकरण के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इससे पहले मिश्र ने कला संकाय की छात्रा दिव्या हर्ष को कुलाधिपति पदक एवं शिक्षा संकाय की छात्रा किरण शर्मा को कुलपति पदक प्रदान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियो में श्रेष्ठ विद्यार्थी को 'महाराजा गंगासिंह अवार्ड' और खेलकूद प्रतियोगिताओं में अव्वल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को 'महाराजा करणी सिंह खेल अवार्ड' देने की शुरुआत की भी सराहना की।

उन्होंने महाराजा गंगा सिंह द्वारा राजशाही के दौर में अपने क्षेत्र के विकास के लिये किये गये नवाचार, भीषण अकाल के दौर का सामना करते हुये इस समस्या से स्थायी रूप से छुटकारा पाने के लिये सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिये गंग नहर लाने, शिक्षा, चिकित्सा आदि प्रयासों से सीख लेते हुये भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने का भी आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के 21वें स्थापना दिवस के लिये सभी को बधाई प्रेषित की।

इस अवसर पर अष्टम दीक्षान्त समारोह में परीक्षा वर्ष 2021 में उत्तीर्ण हुये एक लाख 26 हजार 880 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गयीं। इसी वर्ष की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। दीक्षान्त समारोह में ही एक जनवरी से 31 दिसम्बर 2021 तक के 39 विद्यार्थियों को विद्या-वाचस्पति की उपाधि भी प्रदान की गयी।

धर्म के नाम पर हो रही राजनीति को पसंद नहीं करते लोग : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि इस देश के अधिकांश लोग धर्म के नाम पर हो रही राजनीति को पसंद नहीं करते। अजमेर में संवाददाताओं से बातचीत में पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''राजनीति होती है सिद्धांत की, संविधान की, प्रगति की, विकास की, योजना की, उद्योग की, निवेश की, और आप मंगलसूत्र की, हिन्दू-मुसलमान की, मंदिर-मस्जिद की राजनीति कर रहे हैं नौजवान पीढ़ी और अधिकांश लोग इसे पसंद नहीं करते.. मुझे लगता है भाजपा को यह बात समझ आ गई होगी।''

उन्होंने कहा कि इस चुनाव में पूरी दुनिया देखना चाहती थी कि देश के लोग किस प्रकार की राजनीति को पसंद करते हैं। पायलट ने कहा कि पिछले 10 साल से भाजपा के शासन में लोगों ने जो राजनीति देखी, वो सिर्फ भाषण, प्रचार, प्रोपेगेंडा, झंडा, बैनर, टेलीविजन की राजनीति थी।

उन्होंने कहा, अगर आप लोकसभा के चुनाव परिणाम का आकलन करेंगे तो पाएंगे कि लोगों ने सरकार के खिलाफ वोट किया है। भाजपा के सांसद 303 थे, जिनमें से 60-70 इस बार कम हो गए हैं। राजग ने 400 सीट जीतने का दावा किया था, जो उसे नहीं मिलीं। उन्होंने कहा, यह खंडित जनादेश है.. किसी भी दल को सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत नहीं मिला.. जो सत्ता में थे उनको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए और आकलन करना चाहिए कि उनसे कहां कमी रह गई।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन को अपार जनसमर्थन जनता का मिला है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन राजस्थान में बहुत बेहतर रहा, पिछले लोकसभा चुनाव में हम एक भी सीट जीत नहीं पाये थे लेकिन इस बार 11 सीट पर भाजपा को हरा दिया.. यह हम सब की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के दूसरी बार चुनाव हारने पर पायलट ने कहा, हम लोगों ने 11 सीटों पर भाजपा को हराया है और जहां जहां हम लोग भाजपा को हरा नहीं पाये अगली बार हम दोगनी मेहनत करके उनको हरायेंगे.. लेकिन देश का मूड.. प्रदेश का मूड आज कांग्रेस के साथ है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) को 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में नहीं बुलाए जाने पर पार्टी नाराजगी के बारे उन्होंने कहा आने वाले समय में 'इंडिया' गठबंधन में और भी दल शामिल होंगे।

कार्यपालिका को विधायिका के प्रति जवाबदेह बनना होगा : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कार्यपालिका को विधायिका के प्रति जवाबदेही बनने की जरूरत बताते हुए कहा है कि उसकी विधायी कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। देवनानी ने शुक्रवार को यहां विधानसभा में राज्य सरकार के मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और उसमें यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से कार्यपालिका विधायी कार्यों को गम्भीरता से नहीं ले रही है। उसे विधायिका के प्रति जवाबदेही बनना होगा। देवनानी ने कहा कि विधायकों द्वारा पूछे जा रहे प्रश्नों, ध्यानाकर्षण और विशेष उल्लेख के प्रस्ताव के जवाब नियत समय सीमा में विधानसभा को आवश्यक रूप से भेजा जाना सभी अधिकारी सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि सोलहवीं विधानसभा के आगामी सत्र के आरम्भ होने से पहले पूर्व सत्र में पूछे गये सभी प्रश्नों, ध्यान आकर्षण और विशेष उल्लेख प्रस्ताव के जवाब आवश्यक रूप से प्राप्त हो जाने चाहिए। उन्होंने 15वीं विधानसभा के पांच हजार से अधिक प्रश्नों के जवाब नहीं प्राप्त होने पर चिंता जाहिर करते हुए विभागवार समीक्षा की। देवनानी ने अधिक प्रश्नों के बकाया जवाबों वाले आठ विभागों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खान, नगरीय विकास एवं आवासन, राजस्व, शिक्षा, स्वायत शासन, सार्वजनिक निर्माण विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों से रूबरू हुए और उनसे प्रश्नों के जवाब नहीं आने के कारणों की जानकारी ली।

चिकित्सा विभाग में 1056 प्रश्नों के जबाब नहीं आने पर नाराजगी जाहिर की। देवनानी ने कहा की विधानसभा की समितियों की कार्रवाई को भी प्रशासनिक अधिकारी गंभीरता से लें ताकि ऑडिट पैराओ पर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई हो सके। देवनानी ने कहा कि मुख्य सचिव के प्रयासों से गत चार महीनों में 1940 प्रश्नों, 274 ध्यानाकर्षण प्रस्तावों और 85 विशेष उल्लेख प्रस्तावों के जवाब आये है। उन्होंने कहा कि इस तरह कार्य की गम्भीरता को समझते हुए प्रगति की निरन्तरता को बनाये रखे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियो को विधानसभा कार्यों की गम्भीरता को समझे। उन्होंने कहा कि विधायक जनता के प्रति जवाबदेही होते है। विधानसभा का सदन संचालन महत्वपूर्ण होता है। लोकतंत्र के लिए विधानसभा में विधायक द्वारा पूछे गये प्रश्नों के जवाब यथा समय राज्य सरकार से आना आवश्यक होता है। प्रश्नों के जवाब समय पर आये, इसके लिए अधिकारी जवाबदेही है। इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न होने दें। वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे निरन्तर निगरानी रखे और समय सीमा का पालन करें।

प्रदेश के किसानों एवं पशुपालकों के सर्वांगीण विकास के लिए किसान आयोग सदैव कटिबद्ध : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सी.आर. चौधरी पूर्व राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग भारत सरकार ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन में अध्यक्ष, किसान आयोग के पद पर विधिवत कार्य ग्रहण किया।

चौधरी ने प्रदेश के किसान, पशुपालकों एवं सम्बद्ध पक्षों के सर्वागिंण विकास के लिए कटिबद्धता व्यक्त करते हुए किसानों के ''एज ऑफ लिविंग'', आय में वृद्धि और बुआई से लेकर बेचान तक उत्पादन में होने वाली छीजत को रोकने से सम्बन्धित विषयों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

इस अवसर पर आयुक्त कृषि एवं आयोग के पदेन सदस्य सचिव कन्हैयालाल स्वामी, आयुक्त उद्यानिकी लक्ष्मण सिंह कुड़ी, निदेशक जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विश्राम मीणा, निदेशक एवं प्रशासक कृषि विपणन विभाग जय सिंह, निदेशक पशुपालन डॉ0 भवानी सिंह सहित कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के उच्चाधिकारियों सहित आमजन उपस्थित रहे।

सरकार की प्राथमिकता ईआरसीपी और ताजेवाला हैडवर्क्स योजना : मुख्यमंत्री शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) और ताजेवाला हेडवर्क्स परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की और कार्यों की दैनिक निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में हैं। बैठक में बताया गया कि ईआरसीपी परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यकतानुसार कार्मिक लगाकर परियोजना को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम लोगों को इसका लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को ताजेवाला हेडवर्क्स परियोजना के लिए आगामी चार माह में डीपीआर तैयार करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ईआरसीपी परियोजना के राजस्थान भाग की डीपीआर का कार्य केन्द्र सरकार के समन्वय से शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे परियोजना के माध्यम से जोड़े जाने वाले बांधों का व्यक्तिगत रूप से दौरा करें और वहां की भौतिक स्थिति का अवलोकन करें। मुख्यमंत्री ने नवनेरा बैराज में इसी वर्ष कार्य पूरा कर उसमें पानी भरने के निर्देश दिए।

शर्मा ने परियोजना के तहत गुणवत्ता नियंत्रण के लिए ढांचा विकसित करने, विस्थापितों के पुनर्वास के लिए आवश्यक कॉलोनियों एवं अन्य सुविधाओं के विकास के लिए संबंधित जिला कलक्टर से शीघ्र भूमि आवंटित करवाने सहित विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने परियोजना के अन्तर्गत बांरा में कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्वती नदी पर महलपुर बैराज, बूंदी में मेज नदी पर मेज बैराज, सवाईमाधोपुर में बनास नदी पर नीमोद राठौड बैराज व डूंगरी बांध, अजमेर में मेर सागर बांध तथा अलवर में जल भंडारण के लिए जलाशय निर्माण के लिए आवश्यक भूमि अवाप्ति की कार्यवाही शीघ्र शुरू करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बाढ़ नियंत्रण के लिए नियुक्त किए इन्सीडेन्ट कमाण्डर

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आगामी मानसून सत्र में बाढ़ की स्थिति से निपटने तथा जल भराव के क्षेत्रों की मॉनिटरिंग करने के लिए जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने इन्सीडेन्ट कमाण्डर की नियुक्ति की है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) शैफाली कुशवाह ने बताया कि शहरी क्षेत्र में 9 इन्सीडेन्ट कमाण्डर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपखण्ड अधिकारियों को इन्सीडेन्ट कमाण्डर की जिम्मेदारी सौंपी है।

उन्होंने बताया कि जयपुर महानगर में इन्सीडेन्ट कमाण्डर नगर निगम जयपुर हैरिटेज/ग्रेटर एवं जयपुर विकास प्राधिकरण से समन्वय कर संसाधनों का आंकलन करना एवं बाढ़ की स्थिति में राहत गतिविधियों का संचालन करेंगे। जल भराव की स्थिति में जल निकासी का प्रबंध करना, प्रभावित इलाकों में आवश्यक दवाईयों का छिड़काव करना, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विद्यालय भवन, सामुदायिक भवन, आश्रय स्थल एवं पुनर्वास हेतु भवनों को चिन्हित करना एवं प्रभावित परिवारों को पुनर्वासित करवाना इन्सीडेन्ट कमाण्डर्स की जिम्मेदारी होगी। बाढ़ की स्थिति में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं सेना के समन्वय कर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करेंगे। मानसून के मद्देनजर जयपुर शहर उत्तर, दक्षिण क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर उत्तर एवं समस्त उपखंड अधिकारियों को उनके उपखण्ड क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के लिए समग्र प्रभारी नियुक्त किया गया है।

जलदाय विभाग में विधान सभा प्रकरणों का हुआ शत-प्रतिशत निस्तारण

जयपुर/दक्षिण भारत। जलदाय विभाग में वर्षो से लम्बित चले आ रहे विधान सभा प्रश्न, आश्वासन, प्रस्ताव एवं याचिकाओं का शत-प्रतिशत निस्तारण करने पर विधानसभा प्रकोष्ठ के 9 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है। जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि विभाग के विधानसभा प्रकोष्ठ में कार्यरत महेन्द्र प्रकाश सोनी अधीक्षण अभियन्ता (ग्रामीण), राजेन्द्र कुमार शर्मा अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, धर्मेश वर्मा ,सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्रीकान्त उपमन्यु वरिष्ठ सहायक, जितेश सैन वरिष्ठ सहायक, राहुल तंवर शीघ्र लिपिक, सुखुशबु देवीसहाय मीना, कनिष्ठ अभियन्ता, गिर्राज गुर्जर, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं विष्णु कुमार चुतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

उल्लेखनीय है कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में विधान सभा से संबंधित 439 प्रश्न, 84 प्रस्ताव, 60 आश्वासन एवं 33 याचिकाओं सहित कुल 616 विधान सभा प्रकरण लम्बित थे।

राजस्थान में कई नामी कंपनियों के मसाले 'असुरक्षित' पाए गए : अधिकारी

जयपुर। राजस्थान में खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाये गये अभियान में देश की कई नामी मसाला कंपनियों के उत्पाद 'असुरक्षित' पाए गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इन कंपनियों के विरूद्ध भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा इन 'असुरक्षित' मसालों को तत्काल प्रभाव से जब्त करने के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने एक बयान में बताया कि इस अभियान के तहत राज्य में नामी कंपनियों समेत विभिन्न कंपनियों के मसालों के कुल 93 नमूने लिए गए। राज्य केंद्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट के अनुसार कुछ नमूनों में कीटनाशकों की मात्रा काफी अधिक पाई गई। सिंह ने बताया कि राज्य के सभी अधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र लिखकर असुरक्षित पाए गए मसालों को जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, 'एमडीएच' मसालों की निर्माण इकाई हरियाणा में होने, 'एवरेस्ट' एवं 'गजानंद' मसालों की निर्माण इकाई गुजरात में होने के कारण वहां के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। इसके अलावा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नयी दिल्ली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को भी इन मामलों में कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान ने बताया कि जांच में एमडीएच, एवरेस्ट, गजानंद, श्याम, शीबा ताजा जैसी नामी कपंनियों के मसाले 'असुरक्षित' पाए गए हैं।

बिहार में जद(यू) कार्यकर्ताओं ने लगाया नीतीश का विशाल पोस्टर, लिखा- 'टाइगर जिंदा है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्र में राजग सरकार के गठन में जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए जाने के बीच बिहार की राजधानी पटना में मुख्यमंत्री का एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है, जिसके साथ 'टाइगर जिंदा है' लिखा है। पोस्टर पर लिखे संदेश से यह स्पष्ट होता है कि मतदाताओं के बीच नीतीश कुमार की लोकप्रियता अब भी बरकरार है।

पार्टी नेताओं के एक वर्ग की राय है कि नीतीश कुमार को ''टाइगर'' कहना पूरी तरह से उचित है क्योंकि यह साबित हो गया है कि उनका जादू बरकरार है और हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में राजग को अपने राजनीतिक समीकरणों को साधने में जद(यू) की जरूरत है।

हालांकि बिहार में राजग के दोनों सहयोगी दलों भारतीय जनता पार्टी और जद(यू) ने 12-12 सीटें जीतीं है लेकिन भारतीय जनता पार्टी को केंद्र में सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीट नहीं मिली हैं जिसके चलते राजग के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ गई है।

पटना शहर के कोतवाली थाना के पास लगाए गए उक्त पोस्टर में लिखा है, ''टाइगर जिंदा है।

गठबंधन हमारे लिए मजबूरी नहीं बल्कि एक प्रतिबद्धता है: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की पहचान एक ऐसे परिवार के रूप में की गई है जो 'गठबंधन धर्म को कायम रखती है' और उसके लिए 'गठबंधन एक मजबूरी नहीं बल्कि एक प्रतिबद्धता है'।

राजनाथ ने 'एक्स' पर लिखे एक लंबे पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजग संसदीय दल का नेता और लोकसभा में सदन का नेता सर्वसम्मति से चुने जाने पर बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

सिंह ने राजग संसदीय दल के नेता के तौर पर मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा था और जिसका कि उनकी पार्टी के सहयोगियों अमित शाह और नितिन गडकरी के साथ ही राजग के शीर्ष नेताओं ने भी अनुमोदन किया।

सिंह ने कहा, ''मैंने उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और साथी के रूप में पिछले दस वर्षों से उन्हें बहुत नज़दीक से काम करते देखा है और देश में उनकी कार्यक्षमता, कार्यकुशलता, दूरदर्शिता और प्रामाणिकता को सभी स्वीकार करते हैं।'' उन्होंने कहा कि यह बहुत ही आनंद का विषय है कि लगातार 10 वर्ष से भारत और भारतवासियों की सेवा कर रही राजग सरकार को तीसरी बार जनादेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा, ''सन् 1962 के बासठ वर्ष बाद पहली बार कोई राजनेता

लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनने जा रहा है।''

सिंह ने कहा, ''मोदीजी की नेतृत्व क्षमता, कार्यकुशलता और दृष्टिकोण के कारण राजग परिवार में वृद्धि हुई है। अटलजी के समय से ही राजग की पहचान गठबंधन धर्म को निभाने वाले परिवार के रूप में रही है। हमारे लिए गठबंधन मजबूरी नहीं बल्कि एक प्रतिबद्धता है।''

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का विराट लक्ष्य प्राप्त करने के लिये भारत को एक सक्षम, स्वाभिमानी, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे ले जाना है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने सफल 10 वर्ष पूरे किए हैं। इन 10 वर्ष में भारत की दशा, दिशा और मनोदशा में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। पिछले दस वर्ष में देश उस दौर में पहुंच गया है, जहां भारत के नागरिक ही नहीं बल्कि दुनिया के तमाम देशों को यह भरोसा हो गया है कि हमारा देश विकसित होने के साथ साथ समूचे विश्व को नेतृत्व और नई दिशा देने का सामर्थ्य रखता है।''

सिंह ने कहा, ''पिछले दस वर्ष में मोदी के नेतृत्व में भारत में जो अभूतपूर्व काम हुआ है उसके परिणामस्वरूप भारत अपने आपको दशकों के लिए नहीं बल्कि सदियों के लिए मजबूत बनाने की दिशा में अग्रसर हो चुका है।''

अब 'एनडीए' का मतलब 'नीतीश डिपेंडेंट अलायंस' है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के बाद उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसमें मोदी ने इतनी बार राजग का नाम लिया जितनी पिछले 10 वर्ष में नहीं लिया था।

मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि अब 'एनडीए' (राजग) 'नीतीश/नायडू डिपेंडेंट अलायंस (पर निर्भर गठबंधन)' बन गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी का संविधान को माथे लगाना एक नाटक था क्योंकि उन्होंने पिछले 10 वर्ष में इसी संविधान पर आक्रमण किया है। नरेन्द्र मोदी को शुक्रवार को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल का नेता चुन लिया गया।

इस मौके पर मोदी ने राजग को 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत के लिए प्रतिबद्ध एक स्वाभाविक गठबंधन करार दिया और कहा कि वह अपनी अगली सरकार के सभी फैसलों में सर्वसम्मति सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगले कार्यकाल में उनकी सरकार अगले 10 साल में सुशासन, विकास, जीवन की गुणवत्ता और आम नागरिकों के जीवन में न्यूनतम हस्तक्षेप पर ध्यान केंद्रित करेगी।

कांग्रेस नेता रमेश ने एक बयान में कहा, ''एक तिहाई प्रधानंत्री की दोहरेपन की कोई सीमा नहीं है। मूर्छित राजग में जान फूंकने की कोशिश कर रहे हैं, संविधान के सामने माथा टेक रहे हैं। उन्होंने संविधान पर 10 साल में आक्रमण किया, संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया। 400 पार का नारा दिया गया ताकि संविधान को बदला जा सके।'' उन्होंने दावा किया कि अब मोदी संविधान को माथे से लगाने का नाटक कर रहे हैं। रमेश ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत, रजनीतिक और नैतिक हार हुई है। वह कुर्सी छोड़ना नहीं छोड़ना चाहते। वह 'डेमोक्रेसी(लोकतंत्र)' नहीं, 'डेमो-कुर्सी (कुर्सी के दिखावे)' में विश्वास रखते हैं।''

लोकसभा चुनाव में हारने वाले 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार सम्मांसद हैं: अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया गठबंधन' के प्रमुख घटक दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की कुछ सीटों पर भाजपा पर प्रशासनिक घपले का आरोप लगाते हुए गठबंधन के पराजित उम्मीदवारों को 'सम्मांसद' करार दिया।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक संदेश में लोकसभा चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ''हम मानते हैं कि हमारे जो भी प्रत्याशी भाजपाई-प्रशासनिक घपलों की वजह से जीत दर्ज नहीं कर पाए, दरअसल वो सब भी जीते हुए ही हैं।''

यादव ने कहा कि ''भाजपा को जो भी वोट मिला है उसका आधार जनता के वोट नहीं, बल्कि उनका प्रशासनिक तंत्र और उनकी घपलेबाजी है।'' उन्होंने कहा कि ''लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जनता ने 'इंडिया गठबंधन' के प्रत्याशियों को भरपूर समर्थन व सम्मान दिया है। इसीलिए ऐसे सभी जुझारू प्रत्याशियों को हम जनता के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में, किसी भी अन्य सांसद के बराबर मानते हुए, जनता द्वारा मत के रूप में उनको दिये गये सम्मान का मान करते हुए, आज से 'सम्मांसद' की जन-उपाधि से सुशोभित मानते हैं। आने वाला समय उनका ही होगा।'' इससे पहले इसी संदेश में सपा प्रमुख ने अपनी बात की शुरुआत करते हुए कहा ''उत्तर प्रदेश का संदेश हम सभी से नई उम्मीदों और नई अपेक्षाओं का जनादेश है। इस जनादेश को हम एक नये दायित्व के रूप में स्वीकार करते हैं।'' यादव ने कहा 'इंडिया गठबंधन' के सभी सांसद अपने कर्तव्य को बखूबी निभाएंगे, जनता हमारी प्राथमिकता है और सदैव रहेगी।

राहुल लोकसभा चुनाव के 'मैन ऑफ द मैच', बनना चाहिए नेता प्रतिपक्ष: थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव का ''मैन ऑफ द मैच'' करार दिया और कहा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव में लगातार चौथी बार तिरुवनंतपुरम से निर्वाचित हुए थरूर ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि जनादेश का संदेश यह है कि मतदाताओं ने भाजपा के 'अति अहंकार'' और उसके 'मेरी बात मानिये, नहीं तो रास्ता नापिये' के रवैये को अनुचित ठहराया है। अगली राजग सरकार को लेकर उनका कहना था, ''यह नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के लिए एक चुनौती होगी, जो अपनी सरकार चलाने में बहुत अधिक सलाह-मशविरा करने के आदी नहीं रहे हैं और मुझे लगता है कि यह उनके काम करने के तरीके को बदलने और सरकार के भीतर अधिक समायोजन करने की उनकी क्षमता की परीक्षा होगी।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्ष के साथ भी सरकार का अधिक समायोजन रहेगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बार मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार कुछ मुद्दों पर 'मजबूर सरकार' साबित हो सकती है क्योंकि इस गठबंधन का हिस्सा बनने वाली पार्टियों को हर बात पर सहमत होना होगा। थरूर ने कहा, ''पहले से ही 'अग्निपथ' योजना पर एक पार्टी द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। इस विचार का जद (यू) और चिराग पासवान पार्टी द्वारा समर्थन किया गया है।

उन्नाव बलात्कार कांड : कुलदीप सेंगर की सजा निलंबित करने से अदालत का इनकार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर को दी गई 10 साल की जेल की सजा निलंबित करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने दोषसिद्धि के खिलाफ अपील के लंबित रहने के दौरान सजा को निलंबित करने संबंधी सेंगर की याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा, यह अदालत इस चरण में सजा को निलंबित करने संबंधी मौजूदा याचिका स्वीकार करने की इच्छुक नहीं है। तदनुसार, वर्तमान अर्जी खारिज की जाती है।'' सेंगर ने इस आधार पर सजा निलंबित करने का अनुरोध किया था कि वह पहले ही छह साल की सजा काट चुका है और उसके खिलाफ अभियोजन पक्ष का मामला पारिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि एक बार जब आरोपी को दोषी करार दे दिया जाता है, तो उसकी बेगुनाही की अवधारणा समाप्त हो जाती है और सजा के निलंबन के लिए उसके आवेदन पर उसकी भूमिका, अपराध की गंभीरता आदि के प्रथम दृष्टया दृष्टिकोण के आधार पर विचार किया जाना चाहिए और जेल में बिताई गई अवधि इन कई कारकों में से केवल एक है।

प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का भविष्य अनिश्चित है: गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। लोकसभा सदस्य एवं कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी का भविष्य अनिश्चित है क्योंकि गठबंधन सरकार चलाने के लिए बड़े दिल, खुले दिमाग और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। गोगोई और कांग्रेस के दो अन्य निर्वाचित सांसदों को यहां पार्टी की राज्य इकाई के मुख्यालय में सम्मानित किए जाने के अवसर पर पार्टी नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''ये वे गुण हैं जो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी में थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मोदी में ये गुण हैं इसलिए उनके लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने की संभावनाओं पर संदेह है।''

जोरहाट लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तपन गोगोई के खिलाफ जीत हासिल करने वाले गौरव गोगोई ने उत्तर प्रदेश के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने ''राहुल गांधी को प्रधानमंत्री से भी बड़ा दर्जा दिया।'' निवर्तमान लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा, ''अगर हम उत्तर प्रदेश में रायबरेली और वाराणसी के मतों के अंतर की तुलना करें, तो गांधी ने मोदी से दोगुने से भी अधिक अंतर से जीत हासिल की है जबकि भाजपा का दावा है कि उत्तर प्रदेश में उसकी 'डबल इंजन सरकार' फल-फूल रही है।'' उन्होंने कहा, ''जब उत्तर प्रदेश के लोग प्रधानमंत्री से नाखुश हैं, तो इसे लेकर संदेह पैदा होता है कि गठबंधन उनके नेतृत्व से कितने समय तक संतुष्ट रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''फिलहाल मेरा सबसे बड़ी आशंका मोदी के पांच साल तक प्रधानमंत्री बने रहने को लेकर है, क्योंकि उत्तर प्रदेश के लोगों ने अस्वीकृति व्यक्त की है जो रायबरेली की तुलना में वाराणसी में उनके मतदान करने के तरीके से स्पष्ट है।''

ओडिशा में 73 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायक करोड़पति

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में 73 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायक करोड़पति हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बीजू जनता दल (बीजद) के सनातन महाकुड़ सबसे अमीर विधायक हैं, जिनकी कुल संपत्ति 227.67 करोड़ रुपये है। ओडिशा विधानसभा में कुल 147 सदस्य हैं।

ओडिशा इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सभी 147 नवनिर्वाचित विधायक के नामांकन के साथ जमा किए गए हलफनामों का विश्लेषण किया और उनकी आय के बारे में जानकारी जुटाई। एडीआर ने पाया कि 2024 में नवनिर्वाचित विधायकों में से 73 प्रतिशत करोड़पति हैं, जबकि 2019 के चुनाव में 95 (65 प्रतिशत) करोड़पति विधायक चुने गए थे। राज्य में 107 करोड़पति विधायको में से 52 उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), 43 बीजद, नौ कांग्रेस, एक माकपा से और दो निर्दलीय उम्मीदवार हैं।

क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों का संतुलन जरूरी: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

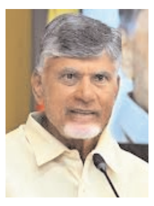

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख सहयोगी दल तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री तथा जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का समर्थन किया।

नायडू ने इस अवसर पर क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों का संतुलन बनाकर चलने की जरूरत बताई।

राजग संसदीय दल की बैठक में सहयोगी दल जनता दल-सेक्यूलर के नेता एच डी कुमारस्वामी, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार, हम (एस) के प्रमुख जीतन राम मांझी समेत अन्य सहयोगी नेताओं ने मोदी को राजग का नेता चुनने के वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह के प्रस्ताव का समर्थन किया।

नायडू ने इस अवसर पर कहा, ''समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों का संतुलन बनाते हुए चलना होगा।''

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में मोदी की रैलियों की वजह से तेदेपा को लोकसभा चुनाव में 16 सीट जीतने में मदद मिली।

नायडू ने कहा, ''आज भारत के पास सही समय पर सही नेता हैं, जो नरेन्द्र मोदी हैं। यह भारत के लिए बहुत अच्छा अवसर है। अगर अब मौका गंवा दिया तो हमेशा यह बात खलेगी। इसलिए आज हमारे पास शानदार अवसर है।''

उप्र में कांग्रेस-सपा गठबंधन स्वाभाविक है और अगले विस चुनावों में भी जारी रहेगा : अजय राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन को 'स्वाभाविक गठबंधन' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन उत्तर प्रदेश में अगले विधानसभा चुनावों में भी जारी रहेगा ताकि राज्य में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंका जा सके।

राय ने कहा कि वह राहुल गांधी से संसद में रायबरेली लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने का अनुरोध करेंगे।

हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में गांधी को उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट के साथ-साथ केरल की उनकी मौजूदा सीट वायनाड से भी जीत मिली है। राय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ हमारा गठबंधन स्वाभाविक है और यह उत्तर प्रदेश में अगले विधानसभा चुनावों में भी जारी रहेगा। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वह शनिवार को दिल्ली जाएंगे और राहुल जी से संसद में रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व करने का पुरजोर अनुरोध करेंगे। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हारने वाले राय ने कहा कि उनकी (मोदी) जीत का अंतर काफी कम हो गया है और यह उनके लिए नैतिक क्षति है। मोदी ने इस बार वाराणसी से 1,52,513 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। जबकि 2019 के चुनाव में उन्हें 4,79,505 वोटों के अंतर से जीत मिली थी। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी में सपा की शालिनी यादव दूसरे स्थान पर रही थीं, जबकि राय ने तब तीसरा स्थान हासिल किया था। शालिनी यादव बाद में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गईं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि ''वाराणसी में मोदी के विकास कार्यों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि जमीन पर कम काम दिख रहा है। राय ने अपनी पार्टी के साथ-साथ सपा और आप के कार्यकर्ताओं को वाराणसी में जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचने और विपक्ष के लिए सीट पर अच्छा परिणाम लाने के लिए धन्यवाद दिया। राय ने अपनी राजनीतिक यात्रा भाजपा से शुरू की, लेकिन बाद में कांग्रेस में चले गए। वह 1996 से पांच बार विधायक रहे। 2009 में टिकट न मिलने पर उन्होंने भाजपा छोड़ दी और सपा में चले गये।

बेहद खास पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के लिये तैयार हार्दिक पंड्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/ भाषा। हार्दिक पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के आगामी मुकाबले को 'जंग' की तरह नहीं देखते लेकिन भारतीय हरफनमौला उस प्रतिद्वंद्वी का सामना करने को बेताब हैं जिसके खिलाफ उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है । भारत और पाकिस्तान की टक्कर रविवार को होगी और पंड्या चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछली सफलता दोहराना चाहेंगे ।

पंड्या ने 'स्टार स्पोटर्स' से कहा ,'' मैं बड़े मैचों में खेलने को लेकर रोमांचित रहता हूं । मुझे यह बहुत खास लगता है और पाकिस्तान ऐसी टीम है जिसके खिलाफ मैने कई मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है ।''

पंड्या ने पाकिस्तान के खिलाफ छह टी20 मैच खेलकर 84 रन बनाये लेकिन 7 . 5 की इकॉनॉमी रेट से 11 विकेट लिये हैं । उन्होंने बीसीसीआई से कहा ,'' यह कोई जंग नहीं है , एक मैच ही है । भारत और पाकिस्तान के मैच हमेशा रोमांचक होते हैं । जज्बात का सैलाब उमड़ता है लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि हम अनुशासित प्रदर्शन करेंगे और एक ईकाई के रूप में अपना लक्ष्य हासिल करेंगे । अगर ऐसा कर सके तो एक और दिन अच्छा होगा ।''

अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू सरकार को समर्थन देगी नेशनल पीपुल्स पार्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू सरकार को समर्थन देगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एनपीपी अरुणाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष थांगवांग वांगहम ने कहा कि पार्टी ने हाल ही में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में लोगों के जनादेश को स्वीकार कर लिया है।

वांगहम ने कहा कि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी, जो कि नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) की सहयोगी है, अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू सरकार को अपना समर्थन देगी। उन्होंने राज्य में लोगों की आकांक्षाओं को बरकरार रखने के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया और कहा, हम जनादेश को स्वीकार करते हैं।

प्रदेश की लोंगडिंग-पुमाओ विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले वांगहम ने कहा कि पार्टी के पास राज्य, क्षेत्र और देश के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, हमारी राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ क्षेत्रीय आकांक्षाएं भी हैं और हम हमेशा जनता के कल्याण तथा राज्य के विकास के लिए काम करेंगे।

नेशनल पीपुल्स पार्टी ने 19 अप्रैल को हुए राज्य विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और पांच सीटों पर जीत हासिल की थी।

थांगवांग वांगहम ने कहा कि उनकी पार्टी विकास, युवा रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और नशीली दवाओं के खतरे से निपटने जैसे

मुद्दों पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मादक पदार्थ का सेवन करने वालों लोगों में नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर नशा मुक्त समाज बनाने के लक्ष्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम नशा मुक्त समाज बनाने पर काम करेंगे। हम नशे के आदी लोगों तक पहुंचकर उन्हें नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेंगे। नशे के आदी लोगों को जीवन अच्छे से जीने का दूसरा मौका दिया जाना चाहिए।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 60 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीटें जीती थीं, जबकि एनपीपी ने 5, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने तीन, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने दो सीटें जीती थीं। वहीं कांग्रेस ने एक सीट और निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन सीटों पर जीत हासिल की थी। अरुणाचल प्रदेश की दोनों लोकसभा सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है। बता दें कि यहां लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल को राज्य में विधानसभा चुनावों के साथ ही हुए थे।

सुविचार

भगवान सिर्फ वहीं नहीं है जहां हम प्रार्थना करते हैं, भगवान वहां भी है जहां हम पाप करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घोर अनुशासनहीनता

हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ हवाईअड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही द्वारा थप्पड़ मारे जाने और उन्हें अभद्र शब्द बोलने की घटना घोर अनुशासनहीनता है। सुरक्षा बलों के कर्मियों को देश की सेवा और सुरक्षा करने के लिए वर्दी मिलती है, न कि निजी खुन्नस के आधार पर मारपीट करने के लिए। जब कोई व्यक्ति भर्ती परीक्षा में सफल होने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त करता है और सेवा में आने से पहले शपथ लेता है तो उसे यह बात सिखाई जाती है कि आपके लिए अपना कर्तव्य सर्वोच्च होना चाहिए। अगर कोई कर्मी कर्तव्य से विमुख होकर हाथापाई पर उतर आए तो यह बहुत बड़ा विश्वासघात है। आज देश में वर्दी का विशेष सम्मान किया जाता है तो याद रखना चाहिए कि यह किसी बनी-बनाई रीति या भय के कारण नहीं किया जाता। सुरक्षा बलों के अनेक कर्मियों ने बड़े-बड़े बलिदान दिए हैं। देशवासी उन्हें नायक की तरह पूजते हैं, उनसे प्रेरणा लेते हैं। यह सम्मान बहुत मेहनत और सत्यनिष्ठा से कमाया गया है। कंगना के साथ हुई घटना निश्चित रूप से उस सम्मान को घटाने की एक ओछी हरकत है। अगर उस कर्मी के हाथ में कोई हथियार होता तो क्या होता? कोई नेता हो या साधारण व्यक्ति, उसके निजी विचारों को आधार बनाते हुए ऐसी घटना को अंजाम देना निंदनीय है। अगर किसी को उसके शब्दों में कोई आपत्तिजनक बात लगती है तो वह अदालत जा सकता है। अदालतों ने ऐसे कई मामलों में संबंधित लोगों (जिनमें सांसद तक शामिल हैं) को दोषी पाकर सजाएं दी हैं। लेकिन यह कहां तक उचित है कि अपने कर्तव्य को ताक पर रखकर मारपीट शुरू कर दें?

देश की सुरक्षा की शपथ लेने के बाद न तो किसी के साथ पक्षपात करना है और न किसी से रंजिश रखनी है। जो कर्मी ऐसी अनुशासनहीनता दिखाएगा, वह कठोर दंड पाएगा। रक्षक से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वह भक्षक बनने को आमादा हो जाए।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स आरोपी की हिमायत कर रहे हैं। अगर निजी विचारों से खफा होने मात्र से 'मारपीट' को उचित ठहरा रहे हैं तो बहुत गलत व खतरनाक परंपरा शुरू कर रहे हैं। किसी की विचारधारा से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन अगर इस तरह थप्पड़ मारने का पक्ष ले रहे हैं तो याद रखना चाहिए कि ये लोग भी किसी 'सनकी' की चपेट में आ सकते हैं, चूंकि जरूरी नहीं कि इनकी विचारधारा की सभी बातें दूसरों को पसंद आएं! मतभेद होना अलग बात है, लेकिन ऐसा हिंसक व्यवहार किसी के साथ नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया पर लिखी गईं बातों से खफा होकर इस तरह 'बदला' लेने का 'महिमा-मंडन' करेंगे तो देशभर में हिंसक घटनाओं का सिलसिला चल पड़ेगा। लिहाजा सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर साफ संदेश देना चाहिए कि सुरक्षा बलों में अनुशासनहीनता के लिए कोई जगह नहीं है। देश की सुरक्षा की शपथ लेने के बाद न तो किसी के साथ पक्षपात करना है और न किसी से रंजिश रखनी है। जो कर्मी ऐसी अनुशासनहीनता दिखाएगा, वह कठोर दंड पाएगा। रक्षक से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वह भक्षक बनने को आमादा हो जाए। हमारा देश पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को ऐसे ही कुछ सिरफिरों के कारण खो चुका है। अक्टूबर 2018 में हरियाणा में एक जज की पत्नी और बेटे को उनके सुरक्षाकर्मी ने ही गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। वर्दी की हनक में आम और गरीब लोगों से बदतमीजी, बदसलूकी और मारपीट की तो अनगिनत घटनाएं हैं। अगर कोई व्यक्ति सुरक्षा बलों का हिस्सा बनकर जोश और होश में संतुलन नहीं रख पाता, जिसके मन में कर्तव्य-परायणता की जगह निजी द्वेष हावी रहता है, वह देश की सेवा एवं सुरक्षा से जुड़े इस महान पेशे के योग्य नहीं है।

ट्वीटर टॉक

पिछले 10 वर्षों में भारत ने जिन कामों को बल दिया है, आज भारत की छवि विश्वबंधु की बन चुकी है। आज दुनिया हमें विश्वबंधु के रूप में स्वीकार कर चुकी है। हमने हर संकट को जिस प्रकार से हैंडल किया, जिस प्रकार से हमने मानवी मूल्यों को प्राथमिकता दी।

-नरेन्द्र मोदी

हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार.. यही है हमारी पहचान..! एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं 'भारत रत्न' लालकृष्ण आडवाणी जी से उनके आवास पर भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

-दीया कुमारी

नरेन्द्र मोदी को भाजपा संसदीय दल, एनडीए के संसदीय दल व लोकसभा के नेता के रूप में चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। आपके यशस्वी नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' की संकल्पना साकार करते हुए विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

अनुशासन से जीवन

विदर्भ में जन्मे आधुनिक संत गाडगे बाबा का नाम आज भी सम्मान से लिया जाता है। उनका पूरा नाम डेबूजी झिंगराजी जनोरकर था। बहुत ही गरीब परिस्थितियों में जन्मे गाडगे बाबा ने तन-मन से समाज को जागरूक किया। वह शायद पहले ऐसे संत होंगे जो सुबह उठते ही गांव के मंदिर तथा उसके प्रांगण को झाड़ से साफ करते थे। शाम होते ही कीर्तन के माध्यम से समाज में फैली अंधश्रद्धा के प्रति लोगों को जागरूक करते थे। उनकी दी गयी शिक्षा सराहनीय रही है। उस जमाने में वह सदा ही कहते थे कि भगवान मंदिर में नहीं बल्कि हम सबके अंतःस्थल में रहते हैं। वह कभी मंदिर में अनुष्ठान के पक्षधर नहीं थे। अपने हर प्रवचन में अनुशासन से संचालित जीवन की पैरवी किया करते थे। उन्होंने लोगों को शिक्षा का महत्व समझाया था।

सामयिक

किन नवनिर्वाचित सांसदों पर देश की रहेगी नजर?

आर.के. सिन्हा

अमृतपाल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को आसानी से मात दे दी। यह लोकसभा सीट पंजाब में भारत-पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। उनकी गैरमौजूदगी में उनके माता-पिता उनके लिए प्रचार कर रहे थे। खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र में अमृतसर-तरन तारन-पट्टी के क्षेत्र शामिल हैं, जो जरनैल सिंह भिंडरावाले का प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है। यह सीट सिखों का गढ़ मानी जानी जाती है।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उनका गहन विश्लेषण भी हो रहा है, पर इस प्रक्रिया के दौरान उन तीन नतीजों पर भी देश को गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा जहां से देश के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले तीन उम्मीदवार जीत गए हैं। पंजाब की खडूर साहिब और फरीदकोट लोकसभा सीटों के चुनाव परिणाम सिख राजनीतिक क्षेत्र में बड़े बदलाव और पंथिक राजनीति के पुनरुत्थान का संकेत देते हैं। कट्टरपंथी प्रचारक अमृतपाल सिंह ने खडूर साहिब से और इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह ने फरीदकोट से जीत हासिल की है, दोनों ही निर्दलीय प्रत्याशी थे। अमृतपाल सिंह खालिस्तान के पक्ष में बोलते रहे हैं। इसी तरह से जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट से इंजीनियर राशिद का राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमेर अब्दुल्ला को हराना अपने आप में सामान्य घटना नहीं हैं। राशिद पाकिस्तान परस्त रहे हैं और फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

पर पहले बात कर लें अमृतपाल सिंह की। उन्हें पिछले साल राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर असम के डिब्रूगढ़ में जेल में रखा गया था। सरबजीत सिंह की जीत ने भी साबित कर दिया है कि सिख अभी तक ऑपरेशन ब्लूस्टार और उन भयानक सिख विरोधी दंगों को भूले नहीं हैं। सच में फरीदकोट ने बड़ा आश्चर्यजनक नतीजा दिया जब सरबजीत सिंह ने हसौड़ लोकप्रिय अभिनेता करमजीत अनमोल को हरा दिया, जबकि उनका फरीदकोट में कोई बड़ा नेटवर्क नहीं था। जब इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल के कारण सरबजीत सिंह के पिता को गिरफ्तार किया गया था, वे तब मात्र 6 साल के थे। उन्होंने बारहवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वे पहले भी कई चुनावों में किस्मत आजमा चुके हैं। उन्होंने 2007 में बरनाला जिले के भदौर से पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ा और उन्हें केवल 15,702 वोट मिले। उन्होंने 2004 में बठिंडा लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव भी लड़ा और असफल रहे। उन्हें 1,13,490 वोट मिले। 2009 और 2014 में उन्होंने फिर से क्रमशः बठिंडा और फतेहगढ़ साहिब (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। सरबजीत सिंह की मां, बिमल कौर और उनके दादा, सुच्चा सिंह पूर्व में लोकसभा के लिए चुने गए थे। सरबजीत सिंह इस बार तो चुनाव लड़ने के मूड में नहीं थे। उनसे जब बहुत लोगों ने चुनाव लड़ने की गुजारिश की तो वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुए। वे अपनी कैंपेन में सिखों के मसलों के अलावा फरीदकोट में नशे की बढ़ती समस्या से लड़ने का वादा कर भी रहे थे। फरीदकोट के लिए कहा जाता है कि यह जिला नशाखोरी की चपेट में पूरी तरह से आ चुका है।

अमृतपाल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को आसानी से मात दे दी। यह लोकसभा सीट पंजाब में भारत-पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। उनकी गैरमौजूदगी में उनके माता-पिता उनके लिए प्रचार कर रहे थे। खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र में अमृतसर-तरन तारन-पट्टी के क्षेत्र शामिल हैं, जो जरनैल सिंह भिंडरावाले का प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है। यह सीट सिखों का गढ़ मानी जानी जाती है। अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने कार्यालयों में भिंडरावाले के पोस्टर भी लगाए थे। उन्होंने भी ड्रग संस्कृति को समाप्त करने और बंदी सिखों को रिहा कराने का वादा किया। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट में कई उलटफेर देखने को मिले। ऐसी ही जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट है। यहां राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को जेल में बंद निर्दलीय कैंडिडेट इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख से हार का सामना करना पड़ा। इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख फिलहाल उसी तिहाड़ जेल में बंद हैं, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बंद हैं। राशिद शेख को साल 2019 में एनआईए ने टेरर फंडिंग के केस में गिरफ्तार किया था। अमृतपाल की तरह से उन्होंने भी जेल में रहते हुए चुनाव लड़ा। अब सवाल यह है कि इन संदिग्ध छवि वाले उम्मीदवारों के लोकसभा में पहुंचने से क्या संदेश गया? पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के कथित असर वाले पंजाब में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह की जीत से साफ है कि इनके नेताओं को यह जवाब तो देना ही होगा कि राज्य में देश विरोधी ताकते कैसे अपने पैर जमा रही हैं? पंजाब में आप की नीतियों को लेकर तो जनता में खासा गुस्सा दिखाई दिया। राज्य की जनता आप के नेता अरविंद केजरीवाल और राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान से नाराज है। आप ने पंजाब में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। उसे उम्मीद थी कि राज्य में उसकी सरकार है, ऐसे में वह कम से कम राज्य की 13 सीटों में से 10 पर तो जीत हासिल करेगी। हालांकि, उसे तीन सीटों से ही संतोष करना पड़ा। होशियारपुर, आनंदपुर साहिब और संगरूर को छोड़कर बाकी की सभी 10 सीटों पर आप को हार का सामना करना पड़ा।

आप को दिल्ली में भी मुंह की खानी पड़ी। आप ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, इसके तहत दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नई दिल्ली के तौर पर चार सीटें उसके खाते में आईं। यह सब सीटें आप हार गई। आप को 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में में भी एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। इसी प्रकार कांग्रेस भी अपनी तीनों सीटें हार गई। इसमें टुकड़े-टुकड़े गैंग के कन्हैया कुमार की सीट थी। यह दिल्ली में केजरीवाल और कांग्रेस की अ-लोकप्रियता को दर्शाता है। एक बार फिर इंजीनियर राशिद पर लौटते हैं। राशिद को वर्ष 2004 में श्रीनगर में आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उसे तीन महीने और 17 दिनों के लिए जेल में रखा गया था। उस पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर ने मानवीय आधार पर उनके खिलाफ सभी आरोप हटा दिए। उन्हें अगस्त 2019 में कश्मीर के सभी मुख्यधारा के राजनेताओं के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। तब अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था। राशिद लगातार देश और हिन्दू विरोधी हरकते कने से बाज नहीं आते। 8 अक्टूबर 2015 को इंजीनियर राशिद पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अंदर भाजपा विधायकों द्वारा हमला किया गया था, क्योंकि उन्होंने सरकारी सर्किट हाउस के लॉन में गोमांस परोसने वाली एक पार्टी की मेजबानी की थी। जाहिर है, उपर्युक्त तीनों नव निर्वाचित सांसदों की गतिविधियों पर देश को पैनी नजर रखनी होगी।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा हैं। आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है। हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे।

महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती।

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चैथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है। महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी और ताइवानी राष्ट्रपति लाई के बीच संदेशों पर चीन की आपत्ति अनुचितः ताइवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। ताइवान ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत पर चीन की नाराजगी पूरी तरह अनुचित है, क्योंकि धमकियों और डराने-धमकाने से कभी दोस्ती नहीं बढ़ती। ताइवान के विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही चीन ने मोदी और लाई के बीच संदेशों के आदान-प्रदान पर विरोध जताया था। चीन ने कहा था कि वह ताइवान तथा बीजिंग के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले देशों के बीच सभी आधिकारिक संपर्कों का विरोध करता है।

ताइवान के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा, दो लोकतंत्रों के नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत पर चीन की नाराजगी पूरी तरह से अनुचित है। आतंक और धमकी कभी दोस्ती को बढ़ावा नहीं देती। उसने कहा, ताइवान पारस्परिक लाभ और साझा मूल्यों के आधार पर भारत के साथ साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बुधवार को लाई ने मोदी को लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर बधाई दी थी और कहा था कि ताइवान दोनों पक्षों के बीच तेजी से बढ़ते संबंधों को और बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनाव में जीत पर मेरी हार्दिक बधाई। हम तेजी से बढ़ती 'ताइवान-भारत साझेदारी' को और आगे ले जाने, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए योगदान दिया जा सके।

मोदी ने इस बधाई संदेश का जवाब देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लाई चिंग-ते, आपके गर्मजोशी भरे संदेश के लिए धन्यवाद। मैं ताइवान के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक तथा तकनीकी साझेदारी की दिशा में काम करते हुए और अधिक घनिष्ठ संबंधों की आशा करता हूं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इन संदेशों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि चीन ने इस पर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया है।

चीन ताइवान को अपना अलग प्रांत मानता है और इस बात पर जोर देता है कि उसे मुख्य भूमि के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिये बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। ताइवान हालांकि खुद को चीन से पूरी तरह अलग मानता है।माओ ने कहा, ताइवान क्षेत्र के 'राष्ट्रपति' जैसी कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा, जहां तक आपके प्रश्न की बात है, चीन ताइवान के अधिकारियों और चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले देशों के बीच सभी प्रकार की आधिकारिक बातचीत का विरोध करता है। दुनिया में सिर्फ एक चीन है।

जश्न

नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर भाजपा कार्यकर्ता शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में जश्न मनाते हुए।

देश की जनता जो बदलाव चाहती थी, उसने शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम तक पहुंचायाः वेंकैया नायडू

आणंद (गुजरात)/भाषा। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को कहा कि देश के लोगों ने जो भी बदलाव चाहा, उसे उन्होंने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में शांतिपूर्ण तरीके से परिणाम तक पहुंचाया और (चुनाव) नतीजों में एक संदेश है।

नायडू ने कहा कि चुनावों ने साबित कर दिया है कि भारत को एक महान लोकतंत्र क्यों माना जाता है। गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद (आईआरएमए) के 43वें दीक्षांत समारोह में नायडू बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

नायडू ने इस बारे में इतना ही कहा, ''इस चुनाव ने साबित कर दिया है कि भारत को एक महान लोकतंत्र क्यों कहा जाता है। करोड़ों लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मतदान किया। वे जो भी बदलाव चाहते थे, उसे उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम दिया। उन्होंने (जनता ने) ऊपर से नीचे तक सभी को एक संदेश दिया। चुनाव में एक संदेश है। मुझे उम्मीद है कि लोग (इस) संदेश को समझेंगे।''

सत्तारूढ़ भाजपा लोकसभा में अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रही, हालांकि यह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

नायडू ने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता चुनाव में जीत या हार से परे गरीबों और वंचितों के लिए काम करना होना चाहिए। उन्होंने स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ''राजनीति में धन की महत्वपूर्ण भूमिका नहीं होनी चाहिए। हमें यह देखना चाहिए कि हम अच्छे लोगों का चयन और चुनाव कर रहे हैं। चार 'सी' याद रखें – कैरेक्टर (चरित्र), कैलिबर (गुण, दमखम), कैपिसिटी (क्षमता) और कैरेक्टर (आचरण)। लेकिन आजकल, आप पाएंगे कि कुछ राजनेता और राजनीतिक दल इन चार 'सी' की जगह अन्य 'सी'... कैश (नकदी), कास्ट (जाति), कम्युनिटी (समुदाय) और क्रिमिनलिटी (आपराधिकता) को शामिल कर रहे हैं।'' दूसरी श्रेणी के चार 'सी' के का इस्तेमाल करके राजनीतिक दलों को अल्पावधि में लाभ हो सकता है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चलेगा और लंबे समय तक नहीं चलना चाहिए।''

कृषि को देश की जीवन रेखा करार देते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति ने आईआरएमए के छात्रों से किसानों की आय बढ़ाने के लिए नये-नये विचारों के साथ आगे आने की अपील की।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में नदी में डूबे चार भारतीय मेडिकल छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के नजदीक तेजी से बहती वोल्खोव नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्र डूब गए। रूस में भारतीय छात्रों के लिए यह सबसे भयावह घटना है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र के रहने वाले हर्षल अनंतराव देसाले, जीशान अशपाक पिंजरी, जिया फिरोज पिंजरी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब वेलिकी नोवगोरोद शहर में यारोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोद स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि चारों यहां वोल्खोव नदी में डूब गए, वहीं निशा भूपेश सोनावणे नामक पांचवीं छात्रा को बचा लिया गया।

विदेश मंत्रालय ने छात्रों के डूबने की इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''येरोस्लोव-द-वाइज नोवगोरोद स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे चार भारतीय छात्र एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में वोल्खोव नदी में डूब गए।'' उसने कहा, ''स्थानीय आपात सेवाओं को अब तक वोल्खोव नदी से दो शव मिले हैं। बाकी दो लापता छात्रों की तलाश जारी है।'' जीशा और जिया भाई-बहन थे। स्थानीय खबरों के अनुसार अपनी एक दोस्त को बचाते हुए ये विद्यार्थी डूब गए। इन सभी की उम्र 18 से 20 साल थी। जीशान और जिया महाराष्ट्र के जलगांव जिले में अमलनेर के रहने वाले थे। हर्षल इसी जिले के भदगांव का रहने वाला था। जलगांव के जिलाधिकारी आयुष प्रसाद ने कहा कि शवों को भारत लाने के बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

मास्को में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हम शवों को जल्द से जल्द परिजनों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। जिस छात्रा की जान बचाई गई है, उसका उचित इलाज किया जा रहा है।''

सेंट पीटर्सबर्ग में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ये छात्र वेलिकी की नोवगोरोद स्टेट यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे। उसने 'एक्स' पर लिखा, ''शोक-संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं।''

उसने बताया कि परिजनों तक शव जल्द से जल्द पहुंचाने के लिए वेलिकी नोवगोरोद के स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क बना हुआ है। महा वाणिज्य दूतावास ने कहा, ''शोक-संतप्त परिवारों से संपर्क किया गया है और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है।''

जीशान के परिवार के एक सदस्य ने स्थानीय मीडिया को बताया, ''जब वे वोल्खोव नदी में घुसे तो जीशान अपने परिजनों के साथ वीडियो कॉल पर था। उसके पिता और अन्य परिजन जीशान और अन्य छात्रों से बार-बार नदी से बाहर निकलने को कह रहे थे तभी एक जोरदार लहर आई और वे गहरे पानी में चले गए।''

'सास कमाल बहू धमाल' में आम्रपाली दुबे के साथ नजर आएंगे जय यादव

मुंबई/एजेन्सी

यशी प्रोडक्शन के बैनर से बनने वाली फिलमची भोजपुरी प्रस्तुत फिल्म सास कमाल बहू धमाल में जय यादव ,आम्रपाली दुबे के साथ नजर आएंगे। फिल्म सास कमाल बहू धमाल एक पारिवारिक और हास्य प्रधान फिल्म है, जो सास-बहू के रिश्ते पर आधारित है। इस फिल्म को लेकर निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी ने कहा कि हम फिल्म को भव्य पैमाने पर बनाने जा रहे हैं।

यह फिल्म भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने वाली है। सभी इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि हमने इस फिल्म की कहानी पर बेहद मेहनत की है। उम्मीद है कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी। फिल्म सास कमाल बहू धमाल में आम्रपाली दुबे और जय यादव के अलावा, मणि भट्टाचार्य, ज्योति मिश्रा, लाडो मद्धेशिया, साहिल सिद्दीकी, अमित शुक्ला, विद्या, रश्मि शर्मा, दीपिका, प्रियंका सोनी, मुखिया जी, अमित कुमार राय जैसे अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म के निर्माता आदित्य पिट्टी एवं पंकज तिवारी,लेखक शकील नियाजी हैं। डीओपी डी के शर्मा हैं। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर अनिल कुमार सिंह और प्रोडक्शन कंट्रोलर विवेक कुमार है।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' एक दृढ़संकल्पित महिला पुष्पा की दिल छू लेने वाली कहानी

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब का 'पुष्पा इम्पॉसिबल' एक दृढ़संकल्पित महिला पुष्पा (करुणा पांडे) की दिल छू लेने वाली कहानी बताता है, जो बिना उम्मीद खोए जीवन की चुनौतियों का सामना करती है। हालिया एपिसोड्स में, दर्शकों ने देखा कि बापोदरा चॉल के सदस्य अश्विन (नवीन पंडिता) के सबसे अच्छे दोस्त भास्कर (विक्रम मेहता) को खोने के गम से उबर रहे हैं।आगामी एपिसोड्स में, तनाव बढ़ जाता है क्योंकि मीडिया में प्रार्थना के मामले पर विधायक पाटिल (शारुख सदरी) और बापोदरा (जयेश भरभाया) की बातचीत की रिकॉर्डिंग लीक हो जाती है, जिस पर अपनी कार से भास्कर की बाइक को टक्कर मारने का आरोप लगाया गया है। मीडिया पुष्पा के परिवार पर बरसता है और मांग करता है कि बापोदरा और प्रार्थना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस दें। हालांकि, प्रार्थना कॉन्फ्रेंस में सुन्न पड़ जाती है और कुछ भी नहीं बोल पाती है। उस वक्त उसका पति चिराग (दर्शन गुर्जर) उसके समर्थन के लिए सामने आता है। प्रार्थना अपराधबोध से ग्रस्त है क्योंकि भास्कर की पत्नी आशावरी (मानसी जैन) ने उसे माफ नहीं किया है। अपने दिल पर अपराध बोध की चट्टान रखकर, पुष्पा ने उसे चिराग के बिना जूनागढ़ में उसके अंकल के घर भेजने का फैसला किया, ताकि वह अपने सदमे से उबर सकें।

प्रार्थना की भूमिका निभाने वाली इंद्राक्षी कांजीलाल ने कहा, जो कुछ भी हुआ उसके बाद प्रार्थना को मुश्किल दौर से गुज़रना पड़ रहा है। वह दुर्घटना के बाद भास्कर की मौत के लिए अपराधबोध महसूस करती है और सोचती है कि हर कोई उसके आसपास रहने से परेशान है। इसलिए, वह कुछ समय के लिए कहीं और जाने का फैसला करती है और पुष्पा के जूनागढ़ जाने के विचार से सहमत होती है। वह अकेली नहीं रहना चाहती और इसलिए चाहती है कि उसका पति भी वहां जाए, हालांकि, उसकी सास पुष्पा तय करती है कि उसका अकेले जाना ही समझदारी भरा फैसला होगा। भले ही इससे प्रार्थना नाराज हो गई है, फिर भी वह आगे बढ़ने का फैसला करती है क्योंकि वह जानती है कि इससे सभी को मदद मिलेगी, जिसमें वह खुद भी शामिल है। यह मुश्किल निर्णय है, लेकिन उसे उम्मीद है कि इससे सबका भला होगा। पुष्पा इम्पॉसिबल हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सोनी सब पर प्रसारित होता है।

'गुल्लक' से मशहूर हुए वैभव राज गुप्ता ने कहा, मुंबई ने धैर्य रखना सिखाया

मुंबई/एजेन्सी

'गुल्लक' से मशहूर हुए अभिनेता वैभव राज गुप्ता का मानना है कि इंतजार करने वालों को अच्छी चीजें मिलती हैं। वह उत्तर प्रदेश के सीतापुर शहर से सपनों के शहर तक की अपनी यात्रा को शानदार बताते हैं।

आधा दर्जन से अधिक लघु फिल्मों में दिखाई देने के बाद, गुप्ता ने सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत फिल्म 'नूर' (2017) में सहायक भूमिका के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। बाद में वह प्राइम वीडियो के शो 'इनसाइड एज' में एक छोटी भूमिका में दिखाई दिए। उन्होंने वेब सीरीज 'गुड बैड गर्ल' और 'माई' में भी काम किया है।

लेकिन उन्हें घर-घर में पहचान 'गुल्लक' शो से मिली जिसमें उन्होंने इस मशहूर शृंखला के केंद्र में स्थित मिश्रा परिवार के बड़े बेटे अन्नू भैया के रूप में नाम कमाया। गुप्ता को 'गुल्लक' के चौथे सीजन के प्रीमियर का इंतजार है। उनका कहना है कि उन्हें उस मुकाम तक पहुंचने में कई साल लग गए जहां वह अपनी पसंद वाली भूमिकाएं चुन सकते हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया, मुझे यहां तक पहुंचने में कई साल लग गए। मुंबई ने मुझे धैर्य रखना सिखाया है। मैं यहां से कहीं नहीं जा रहा हूं। मुझे किसी चीज की जल्दी नहीं है। मैं हर पल को जीना चाहता हूं। मैं अपने जीवन का आनंद लेता हूं, मुझे यह पसंद है, मैं खुश हूं।

'गुल्लक', भारत में छोटे शहरों के निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की हंसी-खुशी, नोकझोंक और उतार-चढ़ाव वाले जीवन के किस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाला शो है। इसमें जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, हर्ष मायर और सुनीता राजवर भी मुख्य किरदारों में हैं। गुप्ता ने कहा कि 2019 में पहली बार आए 'गुल्लक' को दर्शकों ने बड़े प्यार से स्वीकार किया है। कोविड महामारी के दौरान इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई थी और उन्हें अब भी अपने प्रशंसकों से 'लंबे और सुंदर संदेश' मिलते रहते हैं। उन्होंने कहा, तीसरे सीज़न में, हमने दिखाया है कि पिता को दिल का दौरा पड़ता है। मुझे इस पर लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं जिन्होंने अपनी ऐसी ही कहानियां साझा कीं। मैं गोवा में शूटिंग कर रहा था और हर दिन, मुझे 50 संदेश मिलते थे। मैंने हर संदेश पढ़ा ताकि पता चले कि लोग इस कहानी से कैसे जुड़े हैं।

अभिनेता ने कहा कि जब भी उनके माता-पिता मुंबई में उनसे मिलने आते हैं तो उन्हें ऐसी कई बातें याद आती हैं जिनमें यह भी है कि किस तरह उनकी मां उन्हें कुछ कहे बिना ही घर व्यवस्थित करतीं और कपड़े सलीके से रखतीं। उन्होंने लेखक निखिल विजय (सीजन एक से) को श्रेय देते हुए कहा, हमने 'स्टाइल, टेम्पो और डिलीवरी' पर बहुत काम किया। इससे मुझे किरदार को अपना बनाने में मदद मिली।

अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन की आने वाली फिल्म रेड 2 की शूटिंग पूरी हो गयी है। अजय देवगन ने वर्ष 2018 में सुपरहिट फिल्म रेड में काम किया था। अब रेड की सीक्वल रेड 2 आ रही है।

रेड 2 में अजय देवनग आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में नजर आने वाले हैं। अजय देवगन, रितेश देशमुख और वाणी कपूर ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म का निर्देशन राज कुमार गुप्ता कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि 'रेड 2' की शूटिंग व्यापक रूप से उत्तर प्रदेश, राजस्थान में की गई है।फिलहाल, यह फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है।इस बार फिल्म की कहानी करीब सौ करोड़ रुपये के टैक्स घोटाला करने वाले उत्तर प्रदेश के एक राजनेता और व्यवसायी की सत्य कहानी के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

एकता कपूर ने किए वेंकटेश्वर मंदिर के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

कंटेंट क्वीन एकता कपूर आज अपना 49वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर उन्होंने आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की प्रबंध निदेशक और क्रिएटिव हेड एकता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें मंदिर के परिसर में सफेद रंग के सूट में देखा जा सकता है। बर्थडे गर्ल का चॉकलेट केक काटते हुए एक फोटो भी है। एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एकता के साथ एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की। करीना ने एकता को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए एक नोट भी लिखा। एक्ट्रेस ने लिखा, जन्मदिन मुबारक बॉस... सॉलिड, लविंग और निडर... हमेशा ढेर सारा प्यार।

वहीं एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा ने एकता के साथ एक वीडियो शेयर किया और कहा, आपकी मुस्कुराहट और खुशी की कामना करती हूं। आप हमेशा स्वस्थ रहें, आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं... आप जैसी हैं वैसी ही खास हैं।'' मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एकता के साथ एक प्यार भरी तस्वीर शेयर की। मौनी ने लिखा, ''उस महिला को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, जिसे मैंने हमेशा प्यार किया है। भगवान आपको वह सब प्रदान करें जो आप चाहती हैं। जन्मदिन की शुभकामनाएं मेरी प्यारी एकता मैम, लव यू।'' एकता को 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम', 'कभी सौतन कभी सहेली', 'क्या हादसा क्या हकीकत', 'किस देश में है मेरा दिल', 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे कई मशहूर शो बनाने के लिए जाना जाता है।

उन्होंने वर्तमान में प्रसारित होने वाले शो 'भाग्य लक्ष्मी', 'परिणीति', 'कुंडली भाग्य' और 'कुमकुम भाग्य' 'लव सेक्स और धोखा 2' का भी निर्माण किया है। बता दें कि कंटेंट क्वीन एकता कपूर लगभग हर साल अपने जन्मदिन के मौके पर तिरुपति मंदिर जाती हैं। 49 साल की एकता कपूर आज भी सिंगल हैं। उन्होंने अब तक शादी के बारे में नहीं सोचा है। इसके बावजूद एकता एक बच्चे की मां है। एकता ने सरोगेसी की मदद से 2019 में ही अपने बेटे का वेलकम किया था। वह एक बेहतरीन बेटी होने के साथ एक शानदार मां भी हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स बैनर तले एकता कपूर अब तक करीब 130 से ज्यादा टीवी शो प्रोड्यूस कर चुकी हैं। उन्होंने कई फिल्मों का भी निर्माण किया है।

'गांठ' के कलाकारों के साथ सलोनी बत्रा ने की खूब मस्ती

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सलोनी बत्रा अपनी अपकमिंग मर्डर मिस्ट्री सीरीज 'गांठ चैप्टर 1: जमनापार' को लेकर काफी चर्चाओं में है। वह इस सीरीज में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने प्रोडक्शन टीम के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बात की। टीम के साथ अपने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए सलोनी ने कहा, मुझे ऐसी अद्भुत टीम के साथ काम कर बेहद खुशी हुई। हर एक व्यक्ति अपने काम में माहिर है। इससे कैमरे के पीछे काम करना आसान हो गया है। उन्होंने कहा, हमारी टीम में गहरी दोस्ती है, हम अक्सर मजाक करते हैं, अलग-अलग टॉपिक पर बात करते हैं, और एक-दूसरे पर जोक्स बनाते हैं। हम खूब मस्ती करते हैं -- जैसे एक साथ दिल्ली के टेस्टी खाने का लुत्फ उठाना और पैक-अप के बाद रिलैक्स करना।'' उन्होंने आगे कहा, हंसी और रिलैक्स के इन पलों ने एक अलग जोश भरा और फैमिली की तरह माहौल बनाया, जिससे हमने जिस भी प्रोजेक्ट पर काम किया, वह एक सुखद और यादगार अनुभव बन गया। बता दें कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। इस शो में मानव विज और मोनिका पंवार लीड रोल में हैं। 'गांठ' का ट्रेलर जारी हो चुका है, जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर गदर सिंह और साइकियाट्रिक साक्षी मुर्मू एक साथ मिलकर सामूहिक आत्महत्या मामले को सुलझाते हुए दिख रहे हैं। उन्हें एक घर में सात शव लटके हुए मिले। उनकी जांच में कई पहलू सामने आए, जिनमें गंभीर अपराध, धार्मिक विश्वास, अंधविश्वास और सामाजिक मनोविकृति है। कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित, यह सीरीज 11 जून को जियो सिनेमा पर प्रीमियर होगी। सलोनी ने इससे पहले संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शन में बनी एक्शन क्राइम थ्रिलर 'एनिमल' में रणबीर सिंह की बहन रीत का किरदार निभाया था।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना, आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है। हमने मोक्ष के प्रेमियों को अपने कर्मों से लड़ते हुए देखा है। सोचो, कैसा उन महापुरूषों का पुरुषार्थ रहा होगा। बाहर वालों से लड़ने के लिए हमारे पास ताकत बहुत है लेकिन हमारे अंदर की कमजोरियों से निपटने में हम कमजोर है। चूंकि कमजोरियों से लड़ने के साधन बहुत कम है। इसका जुगाड़ स्वयं को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कभी-कभी बच्चों को समझाना आसान है लेकिन यदि बड़े लोग बच्चों जैसी हरकत करेंगे तो उन्हें कौन समझा सकता है।

अग्रवाल सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारणी समिति की प्रथम बैठक बुधवार को अन्नानगर के शांति कॉलोनी स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में अध्यक्ष विजय कुमार गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार गुप्ता एवम जगदीश प्रसाद अग्रवाल, महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता, मंत्री मनोज गोयल एवम कोषाध्यक्ष अमित तुलस्यान तथा निवर्तमान अध्यक्ष इंद्र राज बंसल एवम कार्यकारणी सदस्यों की उपस्थिति में निवर्तमान महामंत्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने नव निर्वाचित महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता को कार्यभार सौंपा।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में छः नए सदस्यों को जिनमें राम अवतार रूंगटा, सीता राम गोयल, पवन कुमार अग्रवाल, बृज खंडेलवाल, पंकज अग्रवाल एवम आशीष गुप्ता को कार्यकारणी में सहवरण किया गया।

आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श हुआ।

मंत्री मनोज गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मैग्नीफ्लेक्स इंडिया ने गद्दा लग्जरी ब्रांड मैग्नीजियो का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लग्जरी गद्दे बनाने वाली कंपनी मैग्नीफ्लेक्स इंडिया ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरणीय अनुकूल तथा नींद लेने के आरामदायक एहसास को और खुशनुमा बनाने के लिए मैग्नीजियो लांच किया है। यह गद्दा बढ़ते वैश्विक तापमान और पर्यावरणीय गिरावट के साथ अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर सकता है तथा नींद के लिए बेहतर आराम प्रदान करता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मैग्नीफ्लेक्स इंडिया द्वारा मैग्नीजियो की खरीद पर अपने ग्राहक को एक पेड़ लगाने का संकल्प दिलाता है तथा ग्राहक के नाम पर एक प्रमाण पत्र भी जारी कर रहा है।

अपने नए उत्पाद मैग्नीजियो के शुभारंभ के अवसर पर मैग्नीफ्लेक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक आनंद निचानी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन वर्तमान वास्तविकता है जो हमें अपने विकल्पों का पुनर्मूल्यांकन करने और अधिक टिकाऊ जीवन शैली को अपनाने की आवश्यकता पर बल देता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जागरूकता के कारण अब उपभोक्ताओं के व्यवहार में काफी परिवर्तन आया है जिससे हर उपभोक्ता ऐसे उत्पादों की खोज कर रहा है जो पर्यावरण के अनुकूल हो। उन्होंने कहा कि हमारा उत्पाद मैग्नीजियो भी कुछ ऐसा ही है जो न केवल आराम प्रदान करता है वरन यह पर्यावरणीय जिम्मेवारी को भी पूरा करता है। उन्होंने बताया कि मैग्नीजियो गद्दे पुनर्जीवित फोम से तैयार किए गए हैं जो हानिकारक विस्तार करने वाले एजेंट से मुक्त हैं। यह गद्दे रीढ़ की हड्डी के संरक्षण के लिए दृढ़ समर्थन प्रदान करते हैं जबकि मेमोफार्म पैडिंग शरीर के आकार के अनुसार समायोजित हो जाती है। इसके साथ ही 'नो वेस्ट फैब्रिक एक नरम स्पर्श' सुनिश्चित करता है। इसके अलावा कंपनी की 'अभिनव वैक्यूम पैकेजिंग' तकनीक परिवहन उत्सर्जन को कम करती है जबकि अनुसंधान और विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता उत्पादन के प्रदर्शन और 10 साल की न्यूनतम आयु दोनों को सुनिश्चित करती है तथा संसाधन संरक्षण में अपना योगदान देती है।

चेन्नई हवाई अड्डे पर 3.91 करोड़ मूल्य का छह किलो से अधिक सोना जब्त, पांच गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने 3.91 करोड़ रुपये मूल्य एवं 24 कैरेट' शुद्धता के छह किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है। देश में इस बेशकीमती धातु की तस्करी में कथित संलिप्तता को लेकर बृहस्पतिवार को पांच यात्रियों को गिरफ्तार किया गया जो दुबई से यहां पहुंचे थे।

शुक्रवार को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के प्रधान सीमाशुल्क आयुक्त रामावथ श्रीनिवास नाइक ने एक बयान में कहा कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा दी गयी गुप्त सूचना के आधार पर वायु खुफिया शाखा के अधिकारियों ने इस यात्रियों को पकड़ा। नाइक ने बताया कि तलाशी लेने पर उनके पास से सोने की जंजीर और सोने के बिस्कुट बरामद किए गए जो कुल 6168 ग्राम थे और उनकी कीमत 3.91 करोड़ रुपये है। बयान के अनुसार संबंधित यात्रियों को पकड़ लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

टीवीएस मोटर ने सक्रिय निरीक्षण के लिए चुनिंदा ई-स्कूटर वापस मंगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह आईक्यूब इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के चुनिंदा समूह को निरीक्षण के लिए वापस मंगा रही है। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि वह 10 जुलाई, 2023 से नौ सितंबर, 2023 के बीच निर्मित इकाइयों के ब्रिज ट्यूब का निरीक्षण करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वाहनों का प्रदर्शन लंबे समय तक अच्छा रहे।

कंपनी ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो ग्राहक से कोई धनराशि लिए बगैर प्रभावित स्कूटरों में सुधार किया जाएगा।

टीवीएस मोटर ने कहा कि कंपनी या उसके डीलर वाहनों को मंगाने के लिए व्यक्तिगत रूप से ग्राहकों से संपर्क करेंगे।

सेवा, समर्पण, दायित्व निष्ठा का प्रतीक हो कार्यकर्ता : साध्वी सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के इन्दिरानगर स्थित भूपेन्द्र मुथा के निवास पर विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भूपेन्द्र मुथा ऐसे संघ निष्ठ श्रावक कार्यकर्ता है जिन्होंने गुरु दृष्टि की आराधना के साथ संघ, समाज की सेवा की।

साध्वीश्री ने कहा कि संघ का बहुत बड़ा उपकार हमारे ऊपर है। कार्यकर्ता निस्वार्थ सेवा भावना के साथ,समर्पित होकर,श्रद्धाशील बनकर अपने निजी दायित्वों के निर्वहन के साथ संघ व समाज के कार्यों हेतु अपना समय नियोजन करे।

साध्वी श्री आस्थाप्रभाजी ने मंत्रों के साथ ध्यान के प्रयोग करवाये। साध्वी मलययशाजी व दीक्षाप्रभाजी ने भी श्रावकों को संबोधित किया। तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर ने साध्वीश्री के विहार की जानकारी दी। नवनीत मुथा ने साध्वीश्री जी के प्रति कृतज्ञता अर्पित की।

इस अवसर पर श्री भूपेंद्र मुथा, राजेंद्र बैद, अरिहंत जैन, विनोद दुगड़, महावीर मुथा, राहुल कोठारी, रमेश गादिया, संदीप मुथा तथा तेरापंथ सभा, युवक परिषद गांधीनगर, विजयनगर तथा अनेक श्रावक, श्राविकाएं उपस्थित थे।

आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रमण संघीय युवाचार्यश्री महेंद्र ऋषिजी म.सा. ने एमसी रोड़ स्थित स्थानकवासी जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा कि हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना, आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है। हमने मोक्ष के प्रेमियों को अपने कर्मों से लड़ते हुए देखा है। सोचो, कैसा उन महापुरूषों का पुरुषार्थ रहा होगा। बाहर वालों से लड़ने के लिए हमारे पास ताकत बहुत है लेकिन हमारे अंदर की कमजोरियों से निपटने में हम कमजोर है। चूंकि कमजोरियों से लड़ने के साधन बहुत कम है। इसका जुगाड़ स्वयं को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कभी-कभी बच्चों को समझाना आसान है लेकिन यदि बड़े लोग बच्चों जैसी हरकत करेंगे तो उन्हें कौन समझा सकता है। यदि हमने अपने अवचेतन मन को कमांड दी तो हमारी आदतें बुरी छूट सकती है और अच्छी आदतें आ सकती है।

उन्होंने कहा अवचेतन मन में गलत संदेश देंगे तो गलत आदतें अंदर प्रवेश कर जाएगी, वह मन के विपरित चलना शुरू कर देगा। यह ध्यान रखना कि हमारा मन कभी उल्टा नहीं जाना चाहिए। हमें बाहर वालों से ज्यादा मुश्किल अंदर वालों से लड़ना है और अंदर वालों से ज्यादा स्वयं से लड़ना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा गुरु की कृपा हो तो अपने आपको साधने का लक्ष्य मिल जाता है। अभी हमारा समय साधने का समय है। हमारा लक्ष्य तो साधना, आराधना में आगे बढ़ने का है। बाहर से जितना लड़ोगे तो छिलके निकलते ही जाएंगे। स्वयं से जितना लड़ोगे तो जीवन शांत और सुखी बन जाएगा। जीवों के राजा और मंत्री सम्यक्त्व की देव- धर्म - गुरु के प्रति अटूट आस्था है। संयम रुपी सेना अपने शस्त्रों के साथ युद्ध करेगी तो जीव मोक्ष की ओर अग्रसर रहेगा। उन्होंने कहा कितने भी कुत्ते भौंकते रहे, हाथी अपनी चाल में मस्त रहता है।

युवाचार्यश्री ने कहा कि जो आत्मा विजय पाना चाहता है, जो आत्मयुद्ध करना चाहता है, वह हाथी की भांति अपनी चाल में मस्त रहे। उन्होंने कहा मन का वेग घोड़े के वेग से ज्यादा रिस्की है। शिक्षित छात्रों को प्रेरित करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि आपने जो पढ़ा है, उसका मनन करना चाहिए। आज जो प्रवचन दिया, वह वापस याद करेंगे तो वह आत्मसात हो जाता है। चाहे कैसी भी परिस्थिति आ जाए, हमें मन को साधने की ताकत रखनी चाहिए। राजा को लड़ाई के लिए संपत्ति की जरूरत रहती है, वैसे ही आप ज्ञान का भंडार बढ़ाओ। ज्ञान का भंडार अर्जित करने के लिए ज्ञानियों का संग करना महत्वपूर्ण है। ज्ञानी वे हैं, जिनके जीवन में ज्ञान द्वारा कई चीजें झलकती हो, जिनकी वाणी, आंखें, विचार इतने प्रभावशाली होते हैं कि उनके संपर्क में आने वाला प्रभावित हो जाए। ज्ञान का भंडार अर्जित करने के लिए अनुभव भी बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है। आज लोग अनुभव लेने से कतराते हैं। अनुभव से जो ज्ञान आता है, वह आत्मयुद्ध में काम आने वाला है। आज इतना तो सोचना है कि हमें बाहर की उलझनों में नहीं पड़ना है। लड़ना है तो हमें खुद से लड़ना है।

मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने कहा आत्मा परमात्मा है लेकिन कुछ लोगों को संशय है कि आत्मा विद्यमान है कि नहीं। इंद्रभूति गौतम को भी यह संशय था। हमने बाह्य क्रिया तो बहुत कर ली लेकिन भीतर रही आत्मा के लिए कुछ नहीं किया। हमारी स्थिति यह है कि हमें संसार के सुख, संसार की चीजें बहुत पसंद हैं लेकिन जब यदि आत्मा का स्वाद मिल गया तो संसार की सभी चीजें बौनी लगने लगेगी।

इस मौके पर वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने कहा कि बहुत सालों के प्रयास से हमें आगामी चातुर्मास मिला है। आप सभी को इसमें तन-मन-धन से जुड़ना है। इस चार्तुमास को यादगार बनाना आपके हाथों में है। चातुर्मास के हर कार्यक्रम के सहभागी बनने का मानस बनाएं। स्वयं जुड़े ओर सभी को जोड़े। महासंघ के सज्जनराज तालेड़ा ने चातुर्मास के कार्यक्रमों की जानकारी दी। रीतु संचेती ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सुनीता छल्लाणी ने सुंदर स्तवन प्रस्तुत किया। युवाचार्यश्री शनिवार को स्थानकवासी जैन संघ नेहरू बाजार में प्रवचन देंगे।

विशेष स्वास्थ्य शिविर आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महेश नवमी के पावन पर्व के शुभ अवसर पर श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई,मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट और माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्पेशल हेल्थ चेक अप कैंप का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष डॉ अशोक मुंधडा ने बताया कि पूरा स्पेशल हेल्थ कैंप एमजीएम हॉस्पिटल में होगा। कार्यक्रम के संयोजक अनुराग माहेश्वरी ने बताया कि समाज के करीब 200 लोगों की स्पेशल स्वास्थ्य शिविर में एमजीएम के उत्कृष्ट डॉक्टरों की टीम द्वारा सभी की जांच की जाएगी। मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी श्री अशोक लखोटिया ने बताया कि प्रत्येक सदस्य के तक़रीबन 40 तरह के विभिन्न चेकअप किये जाएँगे एवम् उसके बाद डॉक्टर से परामर्श किया जायेगा । सभा सचिव संजय मूंदडा ने बताया कि यह स्पेशल हेल्थ कैंप 8 जून को इसका विधिवत उद्घाटन होगा। शिविर 12 जून तक चलेगा।

तेयुप राजराजेश्वरीनगर का शपथ ग्रहण एवं दायित्व हस्तांतरण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर का शपथ ग्रहण एवं दायित्व हस्तांतरण समारोह शुक्रवार को तेरापंथ भवन में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। अभातेयुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने नवमनोनीत अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नए अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष नरेश बांठिया व धर्मेश नाहर को बनाया। सुपार्श पटावरी को मंत्री बनाया। सरल पटावरी, श्रेयांश बेंगानी को सहमंत्री, गौतम नाहटा को कोषाध्यक्ष,संदीप बैद को संगठन मंत्री के साथ परामर्शक गण, प्रबुद्ध विचारक एवं कार्य समिति सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बिकाश छाजेड़ ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री ने तेयुप सदस्यों के प्रति अध्यात्मिक मंगलकामनाएं देते हुए सभी को एकजुट होकर संघ के हित में कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज जो संकल्प आप यहां ले रहे है उस पर आपको अमल करना है।

पवन मांडोत नई कमेटी को शुभकामनाएं दी। संभाग प्रमुख अमित दक ने भी परिषद को नए नए काम करने की प्रेरणा दी। आरआर नगर सभा अध्यक्षराकेश छाजेड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी ने भी नई टीम को बधाई दी। इस अवसर अनेक सभा संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुशील भंसाली ने किया। मंत्री सुपार्श पटावरी ने धन्यवाद दिया।

बसवनगुड़ी आराधना भवन में मुमुक्षु का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में रायपुर निवासी मुमुक्षुश्री अरिहंत बुरड़ का सम्मान किया गया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के मंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष रमेश गुलेच्छा, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद की चेयरपर्सन रीटा पारख, अध्यक्षा आरती जैन आदि ने मुमुक्षु एवं वीर पिता का सम्मान किया। ज्ञातव्य है कि अरिहन्त बुरड़ की दीक्षा गणाधीश पन्यासश्री विनयकुशलमुनिजी व विरागमुनिजी की निश्रा में 23 नवंबर को रायपुर नगर में सम्पन्न होगी।

सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा : मागड़ी कस्बे के सरकारी स्कूल में समाजसेवी महेन्द्र मुणोत ने सरकारी विद्यालय में बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य है। हमारी यह कोशिश रहनी चाहिए की कोई भी नौनिहाल प्राथमिक शिक्षा से वंचित न रहे।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने आयोजित की नशामुक्ति कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा कैंसर जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को नायन्दहल्ली स्थित प्रवेश प्लास्टिक फैक्ट्री में वर्करों के बीच नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के रूपरेखा बताई। इस मौके पर मुख्य वक्ता के तौर पर रंगदोरे मेमोरियल हॉस्पिटल की गला, गर्दन एवं मस्तिष्क की कैंसर विशेषज्ञ एवं सर्जन डॉक्टर सुषमा मेहता उपस्थित थी, जिनका परिचय मंत्री दीपिका गोखरू ने दिया। डॉ सुषमा ने विषय प्रस्तुति देते हुए कहा कि 80% कैंसर पीड़ित लोगों में गले का कैंसर मुख्य रूप से धूम्रपान, तंबाकू, शराब, गुटका आदि के सेवन करने से होता है, जिससे बचना चाहिए। गले के कैंसर के लक्षणों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभिक अवस्था में इन लक्षणों के द्वारा कैंसर की पहचान कर ली जाए तो यह जानलेवा साबित नहीं होता। फेक्टरी मालिक राजेन्द्र पींचा ने मंडल की सदस्याओं को धन्यवाद दिया। मुख्य वक्ता डॉक्टर सुषमा मेहता का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन हंसा दुगड़ एवं आभार अनीता जीरावला ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.